

31 दिसंबर, 2022  
पौष, शुक्ल पक्ष, नवमी  
शुक्ल 2079  
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

शनिवार, वर्ष 08, अंक 73

कलम कलम बढ़ाये जा

# आजाद सिपाही

पटना की मेयर  
सीता साहू और  
डिप्टी मेयर बर्नी  
रश्मि चंद्रवर्शी



## अलविदा मां...

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा नहीं रहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

**अहमदाबाद।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा शुक्रवार सुबह 9:26 बजे पंचतत्व में विलीन हो गईं। नरेंद्र मोदी ने उन्हें मुखाम्लि दी। अंतिम सफर के दौरान वे मां की पार्थिव देह कंधे पर लेकर गांधी नगर स्थित घर से निकले। यात्रा के दौरान वे शव वाहन में ही पार्थिव देह के करीब बैठे रहे।

हीराबा मोदी का शुक्रवार तड़के 3:30 बजे यून मेहता अस्पताल में निधन हुआ। वे 100 साल की थीं। मंगलवार देर रात सांस लेने में तकलीफ होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें कफ की शिकायत भी थी। प्रधानमंत्री बुधवार को बीमार हीराबा को देखने अहमदाबाद गये थे। वे करीब 1 घंटे 20 मिनट अस्पताल में रहे थे। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से बातचीत करके मां की तबीयत और इलाज के बारे में जानकारी ली थी। डॉक्टरों ने हीराबा की हालत को स्थिर बताया था। इसबीच शनिवार को उनका निधन हो गया। मोदी ने खुद इसकी जानकारी ट्वीट के जरिए दी। मोदी सुबह 7:45 में अहमदाबाद पहुंचे। यहां से वे सीधे गांधीनगर के रायसण गांव में भाई पंकज मोदी के घर गये। पार्थिव देह वहीं रखी गयी थी। मोदी के पहुंचते ही अंतिम यात्रा शुरू हुई। सेक्टर-30 स्थित



श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत तमाम नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों

ने हीराबा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उनकी आत्मा की शांति की कामना की और दुख की घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने की बात कही। (मां, ये सिर्फ एक शब्द नहीं है..... विशेष पेज-2 और 3 पर)

## कर्तव्य पथ..

### बंगाल के कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

**कोलकाता।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मां हीराबा का अंतिम संस्कार करने के तुरंत बाद काम पर लौट आये। मां को मुखाम्लि देने के बाद वे अहमदाबाद से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बंगाल में आयोजित कार्यक्रम में जुड़े। उन्होंने हावड़ा-न्यू जलपाइगुड़ी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। कार्यक्रम में शामिल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मोदी की मां के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह दिन आपके लिए तकलीफ भरा है। आपकी मां यानी हमारी भी मां। ईश्वर आपको शक्ति दे कि आप अपना काम जारी रख सकें। मेरा अनुरोध है कि आप कुछ समय आराम भी करें।

मोदी ने कहा कि बंगाल की पुण्य धरती को नमन। निजी कारणों से आपके बीच नहीं आ पाया। इसके लिए क्षमा मांगता हूँ। रेलवे और मेट्रो के साथ कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन हुआ है। वंदे भारत ट्रेन के लिए आप सबको बधाई।

मोदी ने बंगाल में 7,800 करोड़ रुपये से ज्यादा के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की। इन्हें कोलकाता मेट्रो की पंपल लाइन के जोका-ताताला फेज का उद्घाटन और राज्य के



चार रेल प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उन्होंने बंगाल में न्यू जलपाइगुड़ी रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत सात सीवरेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 1585 करोड़ रुपये

की लागत से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत विकसित किये जाने वाली 5 सीवरेज प्रोजेक्ट्स की आधारशिला रखी गयी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी-राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान का उद्घाटन हुआ।

## फुटबॉलर ब्लैक पर्ल उर्फ पेले का निधन

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। एडसन अरातेस डो नैसिमंटो, जिन्हें दुनिया पेले के नाम से जानती है, उनका 82 साल की उम्र में निधन हो गया। फुटबॉल जगत में ब्लैक पर्ल और किंग ऑफ फुटबॉल के नाम से मशहूर पेले ने 29 दिसंबर को अस्पताल में अंतिम सांस ली। पेले लंबे से पेट के कैंसर से पीड़ित थे। पेले के निधन की जानकारी उनकी बेटी ने केली नैसिमंटो इंस्टाग्राम पर दी। ब्राजील के एक छोटे से इलाके से आये पेले ने सिर्फ 17 साल की उम्र में फुटबॉल की दुनिया में



सनसनी मचा दी थी। इसके बाद तो उन्होंने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और फुटबॉल की परिभाषा ही बदल कर रख दी थी। पेले ने अपने इंटरनेशनल फुटबॉल की शुरुआत 17 साल में वर्ष 1958 में की थी। साल 1971 में पेले ने इंटरनेशनल करियर को अलविदा कहा था।

## क्रिकेटर ऋषभ पंत कार दुर्घटना में जखमी

रुड़की (आजाद सिपाही)। क्रिकेटर ऋषभ पंत शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में बाल-बाल बच गये। पुलिस के मुताबिक, झपकी लगने से यह हादसा हुआ। उनकी मर्सिडीज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकरायी, जिसके बाद उसमें आग लग गयी और पलट गयी। एक्सीडेंट के बाद पंत जलती हुई कार की खिड़की तोड़कर खुद ही बाहर निकले। लोग बचाने पहुंचे तो बोले कि मैं ऋषभ पंत हूँ। उन्हें सिर, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आयी हैं। डॉक्टरों के मुताबिक,



उनकी हालत खरबे से बाहर है। उन्हें इलाज के लिए रुड़की से देहरादून ले जाया गया है। यहां के मैक्स हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें दिल्ली एयरलिफ्ट किया जायेगा।

## साहिबगंज में मालवाहक जहाज का संतुलन बिगड़ा गंगा नदी में एक ट्रक समाया, ड्राइवर लापता

आजाद सिपाही संवाददाता

**साहिबगंज।** गंगा नदी के साहिबगंज गरम घाट पर अचानक मालवाहक जहाज का संतुलन बिगड़ गया। जिससे एक ट्रक पानी में समा गया। साहिबगंज-मनिहारी के बीच गंगा पुल का निर्माण कर रही डीबीएल कंपनी के चार ट्रक जहाज पर लदे थे, जिसमें से तीन ट्रक जहाज पर ही पलट गये। गंगा में समाये ट्रक का ड्राइवर भी लापता है। डीबीएल कंपनी के मैनेजर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि साहिबगंज से जहाज पर ट्रक चढ़ाया जा रहा था। इसी क्रम में तीन ट्रक चढ़ने के बाद चौथे ट्रक का टायर फट गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ और जहाज असंतुलित हो गया। इससे जहाज



पर लदे सभी ट्रक एक-दूसरे पर पलट गये। इसी क्रम में एक ट्रक गंगा में समा गया। गंगा में समाये ट्रक के ड्राइवर समसुद्वीन का पता नहीं चल रहा है। कंपनी लापता ट्रक ड्राइवर को ढूँढने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर रही है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुटी है। दिल्ली बिल्डकॉन कंपनी के

मैनेजर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि घटना में एक हाइवा गंगा नदी में गिरा है। जिस वजह से ड्राइवर सरफुद्दीन अंसारी लापता है। उसे रेस्क्यू कर निकाला जायेगा। भानु ने कहा कि सिर्फ एक हाइवा गिरा है, बाकी हाइवा और लोग सुरक्षित हैं। सिर्फ सरफुद्दीन अंसारी हमारा रिर्कोर्डेड स्टॉप था, वह धनबाद के गोविंदपुर का रहने वाला है।

जहाज अनियंत्रित होने से हुई घटना: लापता ड्राइवर सरफुद्दीन अंसारी के परिजन ने बताया कि जहाज पहले से डैमेज थी। कई बार इसकी सूचना वरीय अधिकारी को दी गई। परिजन ने आगे कहा कि सरफुद्दीन गाड़ी संख्या एमपी 39एच 2658 पर सवार थे। यह वाहन गेट संख्या 52 पर लगती थी। सरफुद्दीन धनबाद के गोविंदपुर के फूफाआडीह का रहने वाला है। परिजन ने कहा कि घटना के बाद तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाया गया, जिसमें कई लोग सुरक्षित निकाले गये हैं, लेकिन सरफुद्दीन गायब है। उन्होंने कहा कि हाइवा का टायर ब्लास्ट होने से घटना नहीं, बल्कि जहाज के अनियंत्रित होने से हुई है।



फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज (FJCCI)



झारखण्ड राज्य के सवा लाख व्यापारियों व उद्यमियों की ओर से माननीय मुख्यमंत्री 'श्री हेमंत सोरेन जी' के नेतृत्व में गठित झारखण्ड सरकार के कार्यकाल के सफलतापूर्वक 3 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई। प्रदेश में बने भवनों को नियमितकरण करने के क्रांतिकारी निर्णय के लिए हम माननीय मुख्यमंत्री जी एवं सांसद (राज्यसभा) श्रीमती महुआ माजी जी सहित समस्त मंत्रीमंडल का आभार व्यक्त करते हैं। राज्य के विकास के लिए निम्न समस्याओं पर विचार का अनुरोध करते हैं-

- कृषि शुल्क कानून को स्थाई रूप से निरस्त किया जाय।
- व्यापारिक होल्डिंग टैक्स को व्यवहारिक बनाया जाय।
- पलामू जिले के खासमहल की समस्या का समाधान हो।
- राज्य में बंद पड़ी खदानों को जल्द चालू किया जाय।

झारखण्ड के विकास में बढ़ते कदम में हम साथ-साथ हैं।  
आपका चैंबर-सबका चैंबर।

झारखण्ड के सभी स्टेकहोल्डर्स को नववर्ष 2023 की अग्रिम शुभकामनाएं।

किशोर मंत्री  
अध्यक्ष

डा० अभिषेक कु. रामाधीन  
सचिव

आदित्य मल्होत्रा  
उपाध्यक्ष

अमित शर्मा  
उपाध्यक्ष

रोहित पोद्दार  
सह - सचिव

शैलेश अग्रवाल  
सह - सचिव

सुनील केडिया  
कोषाध्यक्ष

ज्योति कुमारी  
पी.आर.ओ.-सह-प्रवक्ता

**नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं**

**ORMANJHI RANCHI**

Siddhi Vinayak Construction  
A Mega Township

Vinayak Green City

मंजिले पा लेंगे हम... अहसास जीवन का जगा लेंगे हम

Only General Plot Available

Booking Open

Contact :  
9031276548, 9304280115

Booking Amount  
1,51,000/-

आसान मासिक किस्तों में प्लॉट उपलब्ध

# आपने एक शेर को जन्मा मां हीराबा

## आपकी कोख ने एक ऐसे पूत को जन्मा, जिसके लिए देश सर्वोपरि है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा नहीं रही। जैसे ही यह खबर मैंने देखी, ऐसा लगा मानो कोई अपना छोड़ गया। लेकिन मुझे इस खबर पर यकीन नहीं हुआ, सो मैंने पीएम मोदी का टिवटर हैंडल देखा। नरेंद्र मोदी ने अपनी माता जी की दीया पकड़े एक तस्वीर शेयर की थी। दीये की रौशनी में माता जी का चेहरा दिखाई पड़ रहा था। लगा कि मां हीराबा शायद नहीं रही। लेकिन मेरी नजर जब नरेंद्र मोदी द्वारा लिखे शब्दों पर पड़ी, तब यकीन हो गया कि मां हीराबा ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। लिखा था, शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम। मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला, तो उन्होंने

एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से।

सच में मां हीराबा ने कुछ ऐसा रिश्ता ही बना लिया था देश के लोगों से कि कड़ियों को उनमें अपनी माता की झलक दिखाई पड़ती, तो कड़ियों को उनमें अपनी दादी। मेरी दादी भी उनकी जैसी ही दिखती थीं। उन्होंने भी 100 का आंकड़ा पार किया था। प्रधानमंत्री जब भी अपनी माता से मिलते और तस्वीर शेयर करते, तो वह तस्वीर को देख बड़ा अनंद आता। कैसे अपने बूढ़े हाथों से मां अपने बेटे के मुंह में निवाला खिलाती। कैसे उस

### आजाद सिपाही विशेष

बूढ़ी आंखों में अपने बेटे के लिए वात्सल्य छलकता। वे तस्वीरें किसी भी सभ्य समाज को सुख का बोध करवाती होंगी। मां हीराबा को सुख का बोध देती है, बल्कि उसके दिमाग, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को भी आकार देती है। मुझे कोई संदेह नहीं कि मेरे जीवन और चरित्र में जो कुछ भी अच्छा है, उसका श्रेय मेरी मां को जाता है। मोदी जब भी कोई बड़ा काम करने जाते, वह अपनी माता का आशीर्वाद जरूर लेते। उनसे मिलने जाते। उनके पैरों को धो उस पानी को अपनी आंखों पर लगाते।

#### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्लॉग से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मां हीराबा से कितना प्यार करते हैं और उन्हें अपनी जिंदगी में कितना अहम मानते हैं, यह किसी से नहीं छुपा। उन्होंने घर भले ही छोटी उम्र में छोड़ दिया, लेकिन मां के स्नेह और दुलार से दूर नहीं हुए। आज तक ऐसा कोई खास मौका नहीं गया, जिसमें उन्होंने अपनी मां का आशीर्वाद न लिया हो।

2014 में प्रधानमंत्री बनने से पहले वह मां से विदाई लेने पहुंचे, तो 2019 के चुनावों से पहले मां ने उन्हें देवी महाकाली का शांल आशीर्वाद के तौर पर दिया। हर जन्मदिन पर मोदी मां का आशीर्वाद लेने जाते रहे और उनकी गुजरात यात्रा मां से मिले बिना पूरी नहीं होती थी।

#### जब पीएम ने अपनी मां हीराबा के लिए लिखा खत

मां, ये सिर्फ एक शब्द नहीं है। जीवन की ये वो भावना होती है, जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास, कितना कुछ समाया होता है। दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है। मां, सिर्फ हमारा शरीर ही नहीं गढ़ती, बल्कि हमारा मन, हमारा च्यक्तित्व, हमारा आत्मविश्वास भी गढ़ती है। और अपनी संतान के लिए ऐसा करते हुए वो खुद को खपा देती है, खुद को भुला देती है।

आज मैं अपनी खुशी, अपना सौभाग्य, आप सबसे साझा करना चाहता हूँ। मेरी मां, हीराबा आज 18 जून को अपने सौवें वर्ष में प्रवेश कर रही हैं। यानि उनका जन्म शताब्दी वर्ष प्रारंभ हो रहा है। पिताजी आज होते, तो पिछले सप्ताह वो भी 100 वर्ष के हो गये होते। यानि 2022 एक ऐसा वर्ष है, जब मेरी मां का जन्मशताब्दी वर्ष प्रारंभ हो रहा है और इसी साल मेरे पिताजी का जन्मशताब्दी वर्ष पूर्ण हुआ है।

पिछले ही हफ्ते मेरे भतीजे ने गांधीनगर घर मां के कुछ वीडियो भेजे हैं। घर पर सोसायटी के कुछ नौजवान लड़के आये हैं, पिताजी की तस्वीर कुर्सी पर रखी है, भजन कीर्तन चल रहा है और मां मगन होकर भजन गा रही हैं, मंजीरा बजा रही हैं। मां आज भी वैसी ही हैं। शरीर की ऊर्जा भले कम हो गयी है, लेकिन मन की ऊर्जा यथावत है। वैसे हमारे यहां जन्मदिन मनाने की कोई परंपरा नहीं रही है। लेकिन परिवार में जो नश्र पीढ़ी के बच्चे हैं, उन्होंने पिताजी के जन्मशती वर्ष में इस बार 100 पेड़ लगाये हैं। आज मेरे जीवन में जो कुछ भी अच्छा है, मेरे व्यक्तित्व में जो कुछ भी अच्छा है, वो मां और पिताजी की ही देन है। आज जब मैं यहां दिल्ली में बैठा हूँ, तो कितना कुछ पुराना याद आ रहा है।

मेरी मां जितनी सामान्य हैं, उतनी ही असाधारण भी। ठीक वैसे ही, जैसे हर मां होती है। आज जब मैं अपनी मां के बारे में लिख रहा हूँ, तो पढ़ते हुए आपको भी ये लग सकता है कि अरे, मेरी मां तो ऐसी ही हैं, मेरी मां भी तो ऐसा ही किया करती हैं। ये पढ़ते हुए आपके मन में अपनी मां की छवि उभरेगी।

मां की तपस्या, उसकी संतान को, सही इंसान बनाती है। मां की ममता, उसकी संतान को मानवीय संवेदनाओं से भरती है। मां एक

व्यक्ति नहीं है, एक व्यक्तित्व नहीं है, मां एक स्वरूप नहीं है। हमारे यहां कहते हैं, जैसा भक्त वैसा भगवान। वैसे ही अपने मन के भाव के अनुसार, हम मां के स्वरूप को अनुभव कर सकते हैं।

मेरी मां का जन्म, मेहसाणा जिले के विसनगर में हुआ था। वडनगर से ये बहुत दूर नहीं है। मेरी मां को अपनी मां यानि मेरी नानी का प्यार नसीब नहीं हुआ था। एक शताब्दी पहले आर्य वैश्विक महामारी का प्रभाव तब बहुत वर्षों तक रहा था। उसी महामारी ने मेरी नानी को भी मेरी मां से छीन लिया था। मां तब कुछ ही दिनों की रही होंगी। उन्हें मेरी नानी का चेहरा, उनकी गोद कुछ भी याद नहीं है। आप सोचिए, मेरी मां का बचपन मां के बिना ही बीता, वो अपनी मां से ज़िद नहीं कर पायीं, उनके आंचल में सिर नहीं छिपा पायीं। मां को अक्षर ज्ञान भी नसीब नहीं हुआ, उन्होंने स्कूल का दरवाजा भी नहीं देखा। उन्होंने देखी तो सिर्फ गरीबी और घर में हर तरफ अभाव।

हम आज के समय में इन स्थितियों को जोड़ कर देखें तो कल्पना कर सकते हैं कि मेरी मां का बचपन कितनी मुश्किलों भरा था। शायद ईश्वर ने उनके जीवन को इसी प्रकार से गढ़ने की सोची थी। आज उन परिस्थितियों के बारे में मां सोचती हैं, तो कहती हैं कि ये ईश्वर की ही इच्छा रही होगी। लेकिन अपनी मां को खोने का, उनका चेहरा तक ना देख पाने का दर्द उन्हें आज भी है।

बचपन के संघर्षों ने मेरी मां को उम्र से बहुत पहले बड़ा कर दिया था। वो अपने परिवार में सबसे बड़ी थीं और जब शादी हुई तो भी सबसे बड़ी बहू बनीं। बचपन में जिस तरह वो अपने घर में सभी की चिंता करती थीं, सभी का ध्यान रखती थीं, सारे कामकाज की जिम्मेदारी उठाती थीं, वैसी ही जिम्मेदारियां उन्हें ससुराल में उठानी पड़ीं। इन जिम्मेदारियों के बीच, इन परेशानियों के बीच, मां हमेशा शांत मन से, हर स्थिति में परिवार को संभाले रहीं।

वडनगर के जिस घर में हम



लोग रहा करते थे वो बहुत ही छोटा था। उस घर में कोई खिड़की नहीं थी, कोई बाथरूम नहीं था, कोई शौचालय नहीं था। कुल मिला कर मिट्टी की दीवारों और खपरैल को छत से बना वो एक-डेढ़ कमरे का ढांचा ही हमारा घर था, उसी में मां-पिताजी, हम सब भाई-बहन रहा करते थे।

उस छोटे से घर में मां को खाना बनाने में कुछ सहूलियत रहे इसलिए पिताजी ने घर में बांस की



फट्टी और लकड़ी के पट्टों की मदद से एक मवान जैसी बनावा दी थी। वही मचान हमारे घर की रसोई थी। मां उसी पर चढ़कर खाना बनाया करती थीं और हम लोग उसी पर बैठकर खाना खाया करते थे।

सामान्य रूप से जहां अभाव रहता है, वहां तनाव भी रहता है। मेरे माता-पिता की विशेषता रही कि अभाव के बीच भी उन्होंने घर में कभी तनाव को हावी नहीं होने दिया। दोनों ने ही अपनी-अपनी जिम्मेदारियां साझा की हुई थीं। कोई भी मौसम हो, गर्मी हो, बारिश हो, पिताजी चार बजे भोर में घर से निकल जाया करते थे। आसपास के लोग पिताजी के कदमों की आवाज से जान जाते थे कि चार बजे गये हैं, दामोदर काका जा रहे हैं। घर से निकल कर मां हीर की जिम्मेदारियां उन्हें ससुराल में उठानी पड़ीं। इन जिम्मेदारियों के बीच, इन परेशानियों के बीच, मां हमेशा शांत मन से, हर स्थिति में परिवार को संभाले रहीं।

मां भी समय की उतनी ही पावद थीं। उन्हें भी सुबह चार बजे उठने की आदत थी। सुबह-सुबह

अपने काम के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहना, अपना काम किसी दूसरे से करवाना उन्हें कभी पसंद नहीं आया। मुझे याद है, वडनगर वाले मिट्टी के घर में बारिश के मौसम से कितनी दिक्कतें होती थीं। लेकिन मां की कोशिश रहती थी कि परेशानी कम से कम हो। इसलिए जून के महीने में, कड़ी धूप में मां घर की छत की खपरैल को ठीक करने के लिए ऊपर चढ़ जाया करती थीं। वो अपनी तरफ से तो कोशिश करती ही थीं लेकिन हमारा घर इतना पुराना हो गया था कि उसकी छत, तेज बारिश सह नहीं पाती थी।

बारिश में हमारे घर में कभी पानी यहां से टकपता था, कभी वहां से। पूरे घर में पानी ना भर जाए, घर की दीवारों को नुकसान ना पहुंचे, इसलिए मां जमीन पर बर्तन रख दिया करती थीं। छत से टकपता हुआ पानी उसमें इकट्ठा होता रहता था। उन पलों में भी मैंने मां को कभी परेशान नहीं देखा, खुद को कोसते नहीं देखा। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि बाद में उसी पानी को मां घर के काम के लिए अगले 2-3 दिन तक इस्तेमाल करती थीं। जल संरक्षण का इससे अच्छा उदाहरण क्या हो सकता है।

मां को घर सजाने का, घर को

सुंदर बनाने का भी बहुत शौक था। घर सुंदर दिखे, साफ दिखे, इसके लिए वो दिन भर लगी रहती थीं। वो घर के भीतर की जमीन को गोबर से लीपती थीं। आप लोगों को पता होगा कि जब उपले या गोबर के कंडे में आग लगाओ तो कंडे बार शुरू में बहुत धुआं होता है। मां तो बिना खिड़की वाले उस घर में उपले पर ही खाना बनाती थीं। धुआं निकल नहीं पाता था इसलिए घर के भीतर की दीवारें बहुत जल्दी काली हो जाया करती थीं। हर कुछ हफ्तों में मां उन दीवारों की भी पुताई कर दिया करती थीं। इससे घर में एक नयापन सा आ जाता था। मां मिट्टी की बहुत सुंदर कटोरियां बनाकर भी उन्हें सजाया करती थीं। पुरानी चीजों को रीसायकिल करने की हम भारतीयों में जो आदत है, मां उसकी भी चैपियन रही हैं।

उनका एक और बड़ा ही निराला और अनोखा तरीका मुझे याद है। वो अक्सर पुराने कागजों को भिगोकर, उसके साथ हमली के बीज पौसकर एक पेस्ट जैसा बना लेती थीं, बिल्कुल गोंद की तरह। फिर इस पेस्ट की मदद से वो दीवारों पर शीशे के टुकड़े चिपकाकर बहुत सुंदर चित्र बनाया करती थीं। बाजार से कुछ-कुछ सामान लाकर वो घर के दरवाजे को भी सजाया करती थीं।

मां इस बात को लेकर हमेशा बहुत नियम से चलती थीं कि बिस्तर बिल्कुल साफ-सुथरा हो, बहुत अच्छे से बिछा हुआ हो। धूल का एक भी कण उन्हें चादर पर बर्दाश्त नहीं था। थोड़ी सी सलवट देखते ही वो पूरी चादर फिर से झाड़कर करीने से बिछाती थीं। हम लोग भी मां की इस आदत का बहुत ध्यान रखते थे। आज इतने वर्षों बाद भी मां जिस घर में रहती हैं, वहां इस बात पर बहुत जोर देती हैं कि उनका बिस्तर जरा भी सिकुड़ा हुआ ना हो।

हर काम में परफेक्शन का उनका भाव इस उम्र में भी वैसा का वैसा ही है। और गांधीनगर में अब तो भैया का परिवार है, मेरे भतीजों का परिवार है, वो कोशिश करती हैं कि आज भी अपना सारा काम खुद ही करें।

साफ-सफाई को लेकर वो कितनी सतर्क रहती हैं, ये तो मैं आज भी देखता हूँ। दिल्ली से मैं जब भी गांधीनगर जाता हूँ, उनसे मिलने पहुंचता हूँ, तो मुझे अपने

हाथ से मिठाई जरूर खिलती हैं। और जैसे एक मां, किसी छोटे बच्चे को कुछ खिलाकर उसका मुंह पोंछती हैं, वैसे ही मेरी मां आज भी मुझे कुछ खिलाने के बाद किसी रूमाल से मेरा मुंह जरूर पोंछती हैं। वो अपनी साड़ी में हमेशा एक रूमाल या छोटा तौलिया खोसकर रखती हैं। मां के सफाई प्रेम के तो इतने किस्से हैं कि लिखने में बहुत वक्त बीत जाएगा। मां में एक और खास बात रही है। जो साफ-सफाई के काम करता है, उसे भी मां बहुत मान देती है। मुझे याद है, वडनगर में हमारे घर के पास जो नाली थी, जब उसकी सफाई के लिए कोई आता था, तो मां बिना चाय पिलाए, उसे जाने नहीं देती थीं। बाद में सफाई वाले भी समझ गए थे कि काम के बाद अगर चाय पीनी है, तो वो हमारे घर में ही मिल सकती है।

मेरी मां की एक और अच्छी आदत रही है जो मुझे हमेशा याद रही। जीव पर दया करना उनके संस्कारों में झलकता रहा है। गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए वो मिट्टी

दुसरे मां को एक और अच्छी आदत रही है जो मुझे हमेशा याद रही। जीव पर दया करना उनके संस्कारों में झलकता रहा है। गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए वो मिट्टी

के बर्तनों में दाना और पानी जरूर रखा करती थीं। जो हमारे घर के आसपास स्ट्रीट डॉग्स रहते थे, वो भूखे ना रहें, मां इसका भी खयाल रखती थीं।

पिताजी अपनी चाय की दुकान से जो मलाई लाते थे, मां उससे बड़ा अच्छा घी बनाती थीं। और घी पर सिर्फ हम लोगों का ही अधिकार हो, ऐसा नहीं था। घी पर हमारे मोहल्ले की गांवों का भी अधिकार था। मां हर रोज, नियम

मोदी जब भी कोई जन अभियान का आगाज करते, उनकी मां भी उसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती दिखायी पड़ीं। चाहे वह हर घर तिरंगा अभियान हो या नोटबंदी के दौरान 4500 रुपयों को बैंक में जमा करवाना। चाहे वह कोरोना काल में दीया जलाना हो या जम्मू कश्मीर बाढ़ रिलीफ फंड में 5001 रुपये जमा करवाना। मां हीराबा जाने-जाने 100 साल की उम्र में भी, क्लीन चेंबर पर बैठ, वोट डाल, मोदी की जीत में आहुति दे गयीं। अपनी माता के प्रति प्रेम को दर्शाते पीएम मोदी का यह भाव विद्वल करनेवाला आलेख हालांकि पुराना है, लेकिन इसके हर शब्द में एक बेटे का अपनी मां के प्रति लगाव और भावुकता यादें समाहित हैं। मां हीराबा को आजाद सिपाही परिवार की श्रद्धांजलि के रूप में उनके बड़े बेटे का यह आलेख श्रीचरणों में समर्पित है।

से गौमाता को रोटी खिलाती थी। लेकिन सूखी रोटी नहीं, हमेशा उस पर घी लगा के ही देती थीं।

भोजन को लेकर मां का हमेशा से ये भी आग्रह रहा है कि अन्न का एक भी दाना बर्बाद नहीं होना चाहिए। हमारे कस्बे में जब किसी के शादी-ब्याह में सामूहिक भोजन का आयोजन होता था तो वहां जाने से पहले मां सभी को ये बात जरूर याद दिलाती थीं कि खाना खाते समय अन्न मत बर्बाद करना। घर में भी उन्होंने यही नियम बनाया हुआ था कि उतना ही खाना थाली में लो जितनी भूख हो।

मां आज भी जितना खाना हो, उतना ही भोजन अपनी थाली में लेती हैं। आज भी अपनी थाली में वो अन्न का एक दाना नहीं छोड़तीं। नियम से खाना, तय समय पर खाना, बहुत चबा-चबा के खाना इस उम्र में भी उनकी आदत में बना हुआ है।

मां हमेशा दूसरों को खुश देखकर खुश रहा करती हैं। घर में जगह भले कम हो लेकिन उनका दिल बहुत बड़ा है। हमारे घर से थोड़ी दूर पर एक गांव था जिसमें मेरे पिताजी के बहुत करीबी दोस्त रहा करते थे। उनका बेटा था अब्बास। दोस्त की असमय मृत्यु के बाद पिताजी अब्बास को हमारे घर ही ले आए थे। एक तरह से अब्बास हमारे घर में ही रहकर पढ़ा। हम सभी बच्चों की तरह मां अब्बास की भी बहुत देखभाल करती थीं। ईद पर मां, अब्बास के लिए उसकी पसंद के पकवान बनाती थीं। त्योहारों के समय आसपास के कुछ बच्चे हमारे यहां ही आकर खाना खाते थे। उन्हें भी मेरी मां के हाथ का बनाया खाना बहुत पसंद था।

हमारे घर के आसपास जब भी कोई साधु-संत आते थे तो मां उन्हें घर बुलाकर भोजन अवश्य कराती थीं। जब वो जाने लगते, तो मां अपने लिए नहीं बल्कि हम भाई-बहनों के लिए आशीर्वाद मांगती थीं। उनसे कहती थीं, हमारी संतानों को आशीर्वाद दीजिए कि वो दूसरों के सुख में सुख देखें और दूसरों के दुख से दुखी हों। मेरे बच्चों में भक्ति और सेवाभाव

बहुत पसंद था।



पैदा हो उन्हें ऐसा आशीर्वाद दीजिए।

मेरी मां का मुझ पर बहुत अटूट विश्वास रहा है। उन्हें अपने लिए संस्कारों पर पूरा भरोसा रहा है। मुझे दशकों पुरानी एक घटना याद आ रही है। तब तक मैं संगठन में रहते हुए जनसेवा के काम में जुट चुका था। घरवालों से संपर्क ना के बराबर रह गया था। उसी दौर में एक बार मेरे बड़े भाई, मां को बंदीनाथ जी,

केदारनाथ जी के दर्शन कराने के लिए ले गए थे। बंदीनाथ में जब मां ने दर्शन किए तो केदारनाथ में भी लोगों को खबर लग गयी कि मेरी मां आ रही हैं।

उसी समय अचानक मौसम भी बहुत खराब हो गया था। ये देखकर कुछ लोग केदारघाटी से नीचे की तरफ चल पड़े। वो अपने साथ में कंबल भी ले गए। वो रास्ते में बुजुर्ग महिलाओं से पूछते जा रहे थे कि क्या आप नरेंद्र मोदी की मां हैं? ऐसे ही पूछते हुए वो लोग मां तक पहुंचे। उन्होंने मां को कंबल दिया, चाय पिलाई। फिर तो वो लोग पूरी यात्रा भर मां के साथ ही रहे। केदारनाथ पहुंचने पर उन लोगों ने मां के रहने के लिए अच्छा इंतजाम किया। इस घटना का मां के मन में बड़ा प्रभाव पड़ा। तीर्थ यात्रा से लौटकर जब मां मुझसे मिली तो कहा कि 'कुछ तो अच्छा काम कर रहे हो तुम, लोग तुम्हें पहचानते हैं।'

अब इस घटना के इतने वर्षों बाद, जब आज लोग मां के पास जाकर पूछते हैं कि आपका बेटा पीएम है, आपको गर्व होता होगा, तो मां का जवाब बड़ा गहरा होता है। मां उन्हें कहती है कि जितना आपको गर्व होता है, उतना ही मुझे भी होता है। वैसे भी मेरा कुछ नहीं है। मैं तो निमित्त मात्र हूँ। वो तो भगवान का है। आपने भी देखा होगा, मेरी मां कभी किसी सरकारी या सार्वजनिक कार्यक्रम में मेरे साथ नहीं जाती हैं। अब तक दो बार ही ऐसा हुआ है जब वो किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में मेरे साथ आयी हैं।

एक बार मैं जब एकटा यात्रा के बाद श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहरा कर लौटा था, तो अहमदाबाद में हुए नागरिक सम्मान कार्यक्रम में मां ने मंच पर आकर मेरा टीका किया था। मां के लिए वो बहुत भावुक पल इसलिए भी था क्योंकि एकटा यात्रा के दौरान फगवाड़ा में एक हमला हुआ था, उसमें कुछ लोग मारे भी गए थे। उस समय मां मुझे लेकर बहुत चिंता में थीं। तब मेरे पास दो लोगों का फोन आया था। एक अक्षरधाम मंदिर के श्रद्धेय प्रमुख स्वामी जी का और दूसरा फोन मेरी मां का था। मां को मेरा हाल जानकर कुछ तसल्ली हुई थी।

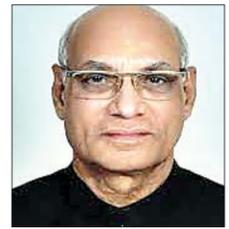
दूसरी बार वो सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ तब आई थी जब मैंने पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। 20 साल पहले का वो शपथग्रहण ही आखिरी समारोह है जब मां सार्वजनिक रूप से मेरे साथ कहीं उपस्थित रहीं हैं। इसके बाद वो कभी किसी कार्यक्रम में मेरे साथ नहीं आईं।

मुझे एक और वाक्या याद आ रहा है। जब मैं सोिएम बना था तो मेरे मन में इच्छा थी कि अपने सभी शिक्षकों का सार्वजनिक रूप से सम्मान करूँ। मेरे मन में ये भी था कि मां तो मेरी सबसे बड़ी शिक्षक रही हैं, उनका भी सम्मान होना चाहिए। हमारे शास्त्रों में कहा भी गया है माता से बड़ा कोई गुरु नहीं है- 'नास्ति मातृ समो गुरुः'। इसलिए मैंने मां से भी कहा था कि आप भी मंच पर आइएगा। लेकिन उन्होंने कहा कि 'देख भाई, मैं तो निमित्त मात्र हूँ। तुम्हारा मेरी कोख से जन्म लेना लिखा हुआ था। तुम्हें मैंने नहीं भगवान ने गढ़ा है।' ये कहकर मां उस कार्यक्रम में नहीं आई थीं। मेरे सभी शिक्षक आए थे, लेकिन मां उस कार्यक्रम से दूर ही रहीं।

जारी... (पेज 3 पर)

# पीएम मोदी की मां के निधन से झारखंड भी मर्माहत

## राज्यपाल रमेश बैस और सीएम हेमंत ने जताया दुःख



**आजाद सिपाही संवाददाता**  
रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा के निधन पर झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की माता के निधन का समाचार सुनकर उन्हें दुःख हुआ। माता-पिता का निधन किसी के लिए भी अपूरणीय क्षति है। मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनकी दिवंगत आत्मा को शांति मिले।



परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की माता के निधन का समाचार सुनकर बहुत दुःख हुआ। माता-पिता का निधन किसी के लिए भी अपूरणीय क्षति है। मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनकी दिवंगत आत्मा को शांति मिले।

## ईश्वर पीएम मोदी को यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करे: दीपक प्रकाश

रांची (आजाद सिपाही)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन के निधन पर प्रदेश भाजपा ने गहरा शोक प्रकट किया है। शोक संवेदना प्रकट करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन के निधन की खबर अत्यंत दुःखदायक है। इसे सुनकर मन बहुत व्यथित है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और प्रधानमंत्री एवं उनके परिवार को यह असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।



## मां जिस सादगी में थीं, उसी सादगी में चली गयीं : बाबूलाल मरांडी

रांची (आजाद सिपाही)। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इतिहास में दो मां का नाम सदैव आदर से लिया जायेगा। पहला मां जीजाबाई का जिन्होंने वीर शिवाजी को हिंदवी स्वराज की स्थापना के लिए प्रेरित किया और दूसरी मां हीराबेन मोदी का जिनकी प्रेरणा से महान सपूत नरेंद्र भाई मोदी ने भारत में हिंद सांस्कृतिक को पुनर्स्थापित किया। मां जिस सादगी में रहीं, उसी सादगी में चली गयीं। हे परमात्मा इन्हें अपने श्री चरणों में स्थान देना। मां के जाने का दर्द सिर्फ उसकी संतान ही समझ सकता है।



## निधन की खबर से मर्माहत हूं : कर्मवीर सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए झारखंड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मां हीराबेन बहुत ही दुःख और तकलीफ सह कर अपने परिवार का लालन पालन की थीं। उनकी ही शिक्षा की देन है कि भारत को नरेंद्र मोदी जैसा मेहनती, कर्मठ, ईमानदार और यशस्वी प्रधानमंत्री मिला। उनके निधन की खबर से मर्माहत हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। मां हीराबेन की निधन पर झारखंड भाजपा प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी, प्रदेश के महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय सहित अन्य नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया।



## मां हीराबा को भगवान अपने श्रीचरणों में स्थान दे: अर्जुन मुंडा

**आजाद सिपाही संवाददाता**  
रांची। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा के निधन पर गहरा दुःख जताया है। मुंडा ने शोक जताते हुए कहा कि भगवान उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। दुःख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री और उनके पूरे परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ॐ शांति।



## राजेंद्र प्रसाद ने प्रधानमंत्री की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया

रांची (आजाद सिपाही)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबा के निधन पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने शोक व्यक्त किया है। प्रसाद ने कहा कि दिवंगत आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें। प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मां से बेहद प्यार करते थे और इनका सदैव यह आदर भाव दुनिया के लिए प्रेरणादायक बना। प्रसाद ने कहा दुःख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री और उनके परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।



## पेज 2 से जारी...

लेकिन मुझे याद है, उन्होंने उस समारोह से पहले मुझे से जल्द पूछा था कि हमारे कस्बे में जो शिक्षक जेटाभाई जोशी जी थे क्या उनके परिवार से कोई उस कार्यक्रम में आयेगा? बचपन में मेरी शुरुआती पढ़ाई-लिखाई, मुझे अक्षरज्ञान गुरुजी जेटाभाई जोशी जी ने कराया था। मां को उनका ध्यान था, ये भी पता था कि अब जोशी जी हमारे बीच नहीं हैं। वो खुद नहीं आई लेकिन जेटाभाई जोशी जी के परिवार को जरूर बुलाने को कहा।

अक्षर ज्ञान के बिना भी कोई सचमुच में शिक्षित कैसे होता है, ये मैंने हमेशा अपनी मां में देखा। उनके सोचने का दृष्टिकोण, उनका दूरगामी दृष्टि, मुझे कई बार इन्कार कर देती है। अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति मां हमेशा से बहुत शुरु हुए पंचायत से पॉलिगामेंट तक के इलेक्शन में उन्होंने वोट देने का दायित्व निभाया। कुछ समय पहले हुए गांधीनगर म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के चुनाव में भी मां वोट डालने गयी थीं।

अहमदाबाद गया तो मां के लिए काशी से प्रसाद लेकर भी गया था। मां से मिला तो उन्होंने पूछा कि क्या काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन भी किये थे? मां पूरा ही नाम लेती हैं- काशी विश्वनाथ महादेव। फिर बातचीत में मां ने पूछा कि क्या काशी विश्वनाथ महादेव के मंदिर तक जाने का रास्ता अब भी वैसा ही है, ऐसा लगता है किसी के घर में मंदिर बना हुआ है। मैंने हेरान होकर उनसे पूछा कि आप कब गयी थीं? मां ने बताया कि बहुत साल पहले गयीं थीं। मां को उतने साल पहले की गयीं तीर्थ यात्रा भी अच्छी तरह याद है।

मां में जितनी ज्यादा संवेदनशीलता है, सेवा भाव है, उतनी ही ज्यादा उनकी नजर भी पारखी रही है। मां छोटे बच्चों के उपचार के कई देसी तरीके जानती हैं। वडनगर वाले घर में तो अक्सर हमारे यहां सुबह से ही कतार लग जाती थी। लोग अपने 6-8 महीने के बच्चों को दिखाने के लिए मां के पास लाते थे।

इलाज करने के लिए मां को कई बार बहुत बारीक पाउडर की जरूरत होती थी। ये पाउडर जुटाने का इंतजाम घर के हम बच्चों का था। मां हमें चूल्हे से निकली राख, एक कटोरी और एक महीन सा कपड़ा दे देती थीं। फिर हम लोग उस कटोरी के मुंह पर वो कपड़ा कस के बांधकर 5-6 चुटकी राख उस पर रख देते थे। फिर धीरे-धीरे हम कपड़े पर रखी उस राख को रगड़ते थे। ऐसा करने पर राख के जो सबसे महीन कण होते थे, वो कटोरी में नीचे जमा होते जाते थे। मां हम लोगों को हमेशा कहती थीं कि 'अपना काम अच्छे से करना। राख के मोटे दानों की वजह से बच्चों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।'

ऐसी ही मुझे एक और बात याद आ रही है, जिसमें मां की ममता भी थी और सूझबूझ भी। दरअसल एक बार पित्तजी को एक धार्मिक अनुष्ठान करवाना था। मेरी दिनचर्या की वजह से, मेरे तरह-तरह के प्रयोगों की वजह से कई बार मां को पड़े थे। लेकिन उनसे मैं बचपन से ही देखी है। खासतौर पर मुझे लेकर वो बहुत ध्यान रखती थीं कि वो मेरे और मेरे निष्पत्तियों को बीच कभी दीवार ना बनें। उनसे मुझे हमेशा प्रोत्साहन ही मिला। बचपन से वो मेरे मन में एक अलग ही प्रकार की प्रवृत्ति पनपते हुए देख रही थीं। मैं अपने सभी भाई-बहनों से अलग सा रहता था।

बाहर जाकर देखूं, दुनिया क्या है। मैं उनसे कहता था कि रामकृष्ण मिशन के मठ में जाना है। स्वामी विवेकानंद जी के बारे में भी उनसे खूब बातें करता था। मां-पिताजी ये सब सुनते रहते थे। ये सिलसिला कई दिन तक लगातार चला। एक दिन आखिरकार मैंने मां-पिता को घर छोड़ने की इच्छा बतायी और उनसे आशीर्वाद मांगा। मेरी बात सुनकर पिताजी बहुत दुखी हुए। वो थोड़ा खिन्न होकर बोलें- तुम जानो, तुम्हारा काम जाने। लेकिन मैंने कहा कि मैं ऐसे बिना आशीर्वाद घर छोड़कर नहीं जाऊंगा। मां को मेरे बारे में सब कुछ पता था ही। उन्होंने फिर मेरे मन का सम्मान किया। वो बोलीं कि जो तुम्हारा मन करे, वही करो। हां, पिताजी की तसल्ली के लिए उन्होंने उनसे कहा कि वो चाहें तो मेरी जन्मपत्री किसी को दिखा लें। हमारे एक रिश्तेदार को ज्योतिष का भी ज्ञान था। पिताजी मेरी जन्मपत्री के साथ उनसे मिले। जन्मपत्री देखने के बाद उन्होंने कहा कि 'उसकी तो राहें तो कुछ अलग है, ईश्वर ने जहां तय किया है, वो वहीं जायेगा।'

इसके कुछ घंटों बाद ही मैंने घर छोड़ दिया था। तब तक पिताजी भी बहुत सहज हो चुके थे। पिताजी ने मुझे आशीर्वाद दिया। घर से निकलने से पहले मां ने मुझे दही और गुड़ भी खिलाया। वो जानती थीं कि अब मेरा आगे का जीवन कैसा होने जा रहा है। मां की ममता कितनी ही कठोर होने की कोशिश करे, जब उसकी संतान घर से दूर जा रही हो, तो पिघल ही जाती है। मां की आंख में आंसू थे लेकिन मेरे लिए खूब सारा आशीर्वाद भी था। घर छोड़ने के बाद के वर्षों में, मैं जहां रहा, जिस हाल में रहा, मां के आशीर्वाद की अनुभूति हमेशा मेरे साथ रही। मां मुझे से गुजरती में ही बात करती हैं। गुजरती में

नहीं सुनी। ना ही वो किसी की शिकायत करती हैं और ना ही किसी से कुछ अपेक्षा रखती हैं। मां के नाम आज भी कोई संपत्ति नहीं है। मैंने उनके शरीर पर कभी सोना नहीं देखा। उन्हें सोने-हहने का कोई मोह नहीं है। वो पहले भी सादगी से रहती थीं और आज भी वैसे ही अपने छोटे से कमरे में पूरी सादगी से रहती हैं। ईश्वर पर मां की अगाध आस्था है, लेकिन वो अंधविश्वास से कोसों दूर रहती हैं। हमारे घर को उन्होंने हमेशा अंधविश्वास से बचाकर रखा। वो शुरू से कबीरपंथी रही हैं और आज भी उसी परंपरा से अपना पूजा-पाठ करती हैं। हां, माला जपने की आदत सी पड़ गयी है उन्हें। दिन भर भजन और माला जपना इतना ज्यादा हो जाता है कि नींद भी भूल जाती हैं। घर के लोगों को माला छिपानी पड़ती है, तब जाकर वो सोती हैं, उन्हें नींद आती है।

इतने बरस की होने के बावजूद, मां को याददाशत अब भी बहुत अच्छी है। उन्हें दशकों पहले की भी बातें अच्छी तरह याद हैं। आज भी कभी कोई रिश्तेदार उनसे मिलने जाता है और अपना नाम बताता है, तो वो तुरंत उनके दादा-दादी या नाना-नानी का नाम लेकर बोलती हैं कि अच्छा तुम उनके घर से हो।

दुनिया में क्या चल रहा है, आज भी इस पर मां की नजर रहती है। हाल-फिलहाल में मैंने उन से पूछा कि आजकल टीवी कितना देखती हों? मां ने कहा कि टीवी पर तो जब देखो तब सब आपस में झगड़ा कर रहे होते हैं। हां, कुछ हैं जो शांति से समझते हैं और मैं उन्हें देखती हूं। मां इतना कुछ गौर कर रही हैं, ये देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया।

उनकी तेज याददाशत से जुड़ी एक और बात मुझे याद आ रही है। ये 2017 की बात है जब मैं यूपी चुनाव के आखिरी दिनों में, काशी में था। वहां से मैं

आयी, मां ने कभी इसे बोझ नहीं माना। जैसे मैं महीनों-महीनों के लिए खाने में नमक छोड़ देता था। कई बार ऐसा होता था कि मैं हफ्तों-हफ्तों अन्न त्याग देता था, सिर्फ दूध ही पीया करता था। कभी तय कर लेता था कि अब 6 महीने तक मीठा नहीं खाऊंगा। सर्दी के दिनों में, मैं खुले में सोता था, नहाने के लिए मटके के ठंडे पानी से नहाना करता था। मैं अपनी परीक्षा स्वयं ही ले रहा था। मां मेरे मनोभावों को समझ रही थीं। वो कोई जिद नहीं करती थीं। वो यही कहती थीं- ठीक है भाई, जैसा तुम्हारा मन करे।

मां को आभास हो रहा था कि मैं कुछ अलग ही दिशा में जा रहा हूं। मुझे याद है, एक बार हमारे घर के पास गिरी महादेव मंदिर में एक महात्मा जी आये हुए थे। वो हाथ में ज्वार उगा कर तपस्या कर रहे थे। मैं बड़े मन से उनकी सेवा में जुटा हुआ था। उसी दौरान मेरी मौसी की शादी पड़ गयी थी। परिवार में सबको वहां जाने का बहुत मन था। मामा के घर जाना था, मां की बहन की शादी थी, इसलिए मां भी बहुत उत्साह में थीं। सब अपनी तैयारी में जुटे थे लेकिन मैंने मां के पास जाकर कहा कि मैं मौसी की शादी में नहीं जाना चाहता। मां ने वजह पूछी तो मैंने उन्हें महात्मा जी वाली बात बतायी। मां को दुःख जरूर हुआ कि मैं उनकी बहन की शादी में नहीं जा रहा, लेकिन उन्होंने मेरे मन का आदर किया। वो यही बोलीं कि ठीक है, जैसा तुम्हारा मन करे, वैसा ही करो। लेकिन उन्हें इस बात की चिंता थी कि मैं अकेले घर में रहूंगा कैसे? मुझे तकलीफ ना हो इसलिए वो मेरे लिए 4-5 दिन का सूखा खाना बनाकर घर में रख गयी थीं।

मैंने जब घर छोड़ने का फैसला कर लिया, तो उसे भी मैंने कई दिन पहले ही समझ गयीं थीं। मैं मां-पिताजी से बात-बात में कहता ही रहता था कि मेरा मन करता है कि

ना कभी ईमानदारी का रास्ता छोड़ना ना ही अपने स्वामीमान से समझौता किया। उनके पास हर मुश्किल से निकलने का एक ही तरीका था- मेहनत, दिन रात मेहनत। पिताजी जब तक जीवित रहे उन्होंने इस बात का पालन किया कि वो किसी पर बोझ नहीं बनें। मेरी मां आज भी इसी प्रयास में रहती हैं कि किसी पर बोझ नहीं बनें, जितना संभव हो पाये, अपने काम खुद करें। आज भी जब मैं मां से मिलता हूं, तो वो हमेशा कहती हैं कि 'मैं मरते समय तक किसी की सेवा नहीं लेना चाहती, बस ऐसे ही चलते-फिरते चले जाने की इच्छा है।'

अभाव की हर कथा से बहुत ऊपर, एक मां की गौरव गाथा होती है। संघर्ष के हर पल से बहुत ऊपर, एक मां की इच्छाशक्ति होती है। मां, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका जन्म शताब्दी वर्ष शुरू होने जा रहा है। सार्वजनिक रूप से कभी आपके लिए इतना लिखने का, इतना कहे का साहस नहीं कर पाया। आप स्वस्थ रहें, हम सभी पर आपका आशीर्वाद बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है। नमन। समाप्त। (यह ब्लॉग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 जून को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर मां हीराबा के लिए लिखा था।)

संकलन के लिए प्रस्तुत : राकेश सिंह, विशेष संवाददाता।

## JHARKHAND STATE FOOD & CIVIL SUPPLIES CORPORATION LTD.

(A GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING)  
JSFC Bhawan, Kadru Main Road, Ranchi - 834002, Email-jsfcmontoring@gmail.com

Letter No.: 5132  
Date: 30/12/2022  
**Short Tender Notice**  
SHORT TENDER FOR PROVIDING TRANSPORTATION SERVICES AT VARIOUS DISTRICTS OF JHARKHAND FOR TRANSPORT OF PADDY & CUSTOM MILLED RICE (C.M.R.) FROM PADDY PROCUREMENT CENTRES TO TAGGED RICE MILLS AND FROM RICE MILLS TO GODOWNS OF F.C.I RESPECTIVELY FOR THE KHARIF MARKETING SEASON FOR 2 (Two) YEARS 2022-23 & 2023-24 TO JHARKHAND STATE FOOD & CIVIL SUPPLIES CORPORATION LIMITED.

Bid Details	
NIT/Bid Document No.	No. 5132, dated 30/12/2022
Bidding Document Cost	Tender Document Fee of Rs. 10000/- (Rs. Ten thousand only) to be deposited in the Bank A/C of JSF&CSCL
Earnest Money Deposit (EMD) Bid Security	31/12/2022 to 16/01/2023 till 5:00 P.M
Document Sale Date & Timing i.e. Last Date & time for downloading RFP from website	31/12/2022 to 16/01/2023 till 5:00 P.M
Online Bid Submission Period	31/12/2022 to 16/01/2023 till 5:00 P.M
Technical E-Bid Opening Date & Time	17/01/2023
Pre-Bid Meeting	05/01/2023 03:00 P.M Google meet link: (Video call link: <a href="https://meet.google.com/eny-mask-eyg">https://meet.google.com/eny-mask-eyg</a> )
Date of Auction	Will be intimated letter
Name and Number of Contact person	Abhishek Tiwari 9795046772 / 9219516455

Note : Further details can see on website: [www.jharkhand.gov.in](http://www.jharkhand.gov.in) & <https://jhtenders.eproc.in>  
Managing Director  
Jharkhand State Food & Civil Supplies Corporation Limited

## पूज्य माताजी हीराबा के निधन की सूचना दुःखद : सुदेश

**आजाद सिपाही संवाददाता**



रांची। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के निधन पर शोक जताया है। महतो ने शुक्रवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूज्य माताजी हीराबा के निधन की सूचना अत्यंत दुःखदायक है। मैं दिवंगत माताजी के चरणों में श्रद्धासुमन

अर्पित करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

## मां की शून्यता सदैव अनुभव होती है : राजेश ठाकुर

**आजाद सिपाही संवाददाता**



रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी के निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के गहरी शोक संवेदना प्रकट की। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि मां का जाना जीवन से मुख्य आधार स्तंभ के ढह जाने जैसा होता है। मां की शून्यता सदैव अनुभव होती है। इस दुःख की घड़ी में पूरे परिवार के प्रति मेरी गहरी

संवेदना है। ईश्वर उन्हें एवं उनके परिवार वालों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

**राशिफल**  
डॉ एनके बेरा | 943114351

- मेघ** महत्वपूर्ण काम पूरा होगा, आर्थिक सहायताओं का समन्वय, व्यापार वृद्धि।
- वृष** व्यवस्थित काम पूरे होंगे, शौचिक सुख-सुविधा बढ़ेगी, उद्योग-धंधे में सफलता।
- मिथुन** छोटे हूट काम पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़, निर्माण कार्य में प्रगति।
- कर्क** नये लोगों से सफल, शुभ समयाव अवसर। सुख समानता की रक्षा होगी।
- सिंह** सामरिक-सामाजिक विकास, सशुभ पर विजय मिलेगी। किंतु छा सहयोग मिलेगा।
- कन्या** पतनान के अक्षर बढ़ेंगे, अवसरों का प्रचलन उदित, सौ-सुखियों का आनंदन बना रहेगा।
- तुला** कर्मक्षेत्र में परिश्रम-समर्थ अधिक फलना पड़ेगा, नये वाहन संप्रति नये का संयोग बनेगा।
- वृश्चिक** नवीन व्यापारिक योजना सफल, आर्थिक लाभ होगा। धार्मिक कार्य में उद्योग।
- धनु** विवाहा दृष्ट होगी, विद्या-वृद्धि-प्रतिष्ठा का विकास, प्रतिभित व्यक्तियों से मिलन होगा।
- मकर** छोटे परिश्रम से ही अमीत कार्य सिद्ध होंगे, वाहन सुख, तानन की उन्नति से उत्साह में वृद्धि होगी।
- कुंभ** अव्यवस्थित दिनचर्या, किसी प्रकार की चोटें नवीन सहायता आ सकती है।
- मीन** चले आभार्यताओं पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा, दूर लोगों की समीति कलहकारी सिद्ध होगी।





## साख बनी रहे

एक भारतीय कंपनी का बनाया कफ सिरप पीने से उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की मौत की खबर वाकई चिंताजनक है। हालांकि उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय का बयान भी बताता है कि नोएडा स्थित कंपनी का यह कफ सिरप बच्चों को डॉक्टर की सलाह के बगैर दिया गया था, जिसका मतलब यह है कि दवा लेने में आवश्यक सावधानी नहीं बरती गयी थी। दवा की मात्रा भी निर्धारित सीमा से ज्यादा दे दी गयी थी। लेकिन इसके बावजूद कफ सिरप पीने से एक ही इलाके में 21 बच्चों की हालत बिगड़ जाना और उनमें से 18 बच्चों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो जाना मामूली बात नहीं है। अपने यहां भारत सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) और उत्तर प्रदेश ड्रग्स कंट्रोलिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी संयुक्त रूप से इसकी जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने तक के लिए कंपनी में उत्पादन पर भी रोक लगा दी गयी है। ध्यान रहे, तीन महीने के अंदर यह दूसरा ऐसा मामला है, जिसमें किसी भारतीय कंपनी की दवाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हुआ है। इससे पहले अक्टूबर में अफ्रीकी देश गांबिया ने आरोप लगाया था कि भारत में बना कफ सिरप पीने से

अगर ऐसे विवाद होंगे तो दवा कारोबार में भारत का नाम बिगड़ेगा। इसीलिए मामले की बारीकियां अपनी जगह हैं। वे भी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन फिलहाल सरकार को यह देखना होगा कि आखिर इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं।

अनुपात पर सवाल उठाया था। जाहिर है, ऐसे मामलों में विशेषज्ञों के बीच भी अक्सर मतभेद हो जाते हैं और किसी एक सर्वमान्य निष्कर्ष पर पहुंचना हमेशा संभव नहीं होता। लेकिन इसमें दो राय नहीं है कि चाहे किसी नतीजे पर पहुंचें या न पहुंचें, ऐसी बहसों संबंधित ब्रैंड की साख को नुकसान पहुंचा ही देती हैं। फार्मा इंडस्ट्री में भारत की साख बहुत अच्छी है। भारतीय फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया में तीसरे नंबर पर आती है। दुनिया भर में दवाओं के कुल निर्यात का 20 फीसदी भारत से होता है। इतना ही नहीं जैविक दवाओं का सबसे बड़ा प्रोवाइडर है भारत। जाहिर है, हम किसी तरह का रिस्क लेने की स्थिति में नहीं हैं। कंपनी का क्या स्पष्टीकरण है, हमारी अपनी जांच क्या कहती है और अंतिम तौर पर क्या सही है, इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। अगर ऐसे विवाद होंगे तो दवा कारोबार में भारत का नाम बिगड़ेगा। इसीलिए मामले की बारीकियां अपनी जगह हैं। वे भी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन फिलहाल सरकार को यह देखना होगा कि आखिर इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं। उसे हर हाल में भारतीय दवा उद्योग की साख बरकरार रखनी होगी।

## अभिमत

### आजाद सिपाही



#### गजेंद्र सिंह श्रेखावत

भारत के लिए 7 अगस्त, 2021 का दिन एक महत्वपूर्ण अवसर था, नीज चोपड़ा नाम के एक एथलीट ने टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में हमें स्वर्ण पदक दिलाकर गौरवान्वित किया। इस समाचार के परिशिष्ट में एक छोटा सा कार्य सुखियों में नहीं आया कि चैम्पियन अपना नामाभि गंगे कार्यक्रम के लिए नीलामी के उद्देश्य से दान कर रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें मिले उपहारों की नीलामी शुरू करने की पहल, कार्यक्रम के लिए उनकी व्यक्तिगत भागीदारी, सरकार की अपार प्रतिबद्धता और उस पर बढ़ विश्वास को बल देती है। इसी तरह 15 दिसंबर 2022 को, इस प्रतिबद्धता ने आंशिक परिणाम हासिल किए, जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे दुनिया के शीर्ष 10 इकोसिस्टम बहाली कार्यक्रमों में से एक के रूप में मान्यता दी। अपने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सही कहा कि यह देश की 'संकल्प शक्ति और अथक प्रयासों' का प्रमाण है और दुनिया को एक नया रास्ता दिखाता है।

नामाभि गंगे की कहानी 2014 की है जब प्रधानमंत्री ने गंगा नदी के पौराणिक गौरव को बहाल करने का कार्यक्रम शुरू किया था। अखिल (अप्रतिबंधित प्रवाह) और निर्मल (अप्रदूषित प्रवाह) गंगा की परिकल्पना से उत्साहित, एक समग्र और एकीकृत रास्ता अपनाने की पहल की गयी। इस पहल को जन गंगा (जन भागीदारी और लोगों और नदी का संपर्क), ज्ञान गंगा (अनुसंधान और ज्ञान प्रबंधन) और अर्थ गंगा (स्वतंत्र प्रयास का आर्थिक मॉडल) के तीन कार्यक्रमों से और आगे बढ़ाया गया था।

अब तक 32,898 करोड़ रुपये की 406 परियोजनाओं को गंदे पानी के शोधन और दोषिहया वाहनों को रोककर उनसे हेलमेट पहनने की अपील की गयी। रैली में लगभग 100 से अधिक लोग शामिल हुए।

नामाभि गंगे की कहानी 2014 की है जब प्रधानमंत्री ने गंगा नदी के पौराणिक गौरव को बहाल करने का कार्यक्रम शुरू किया था। अखिल (अप्रतिबंधित प्रवाह) और निर्मल (अप्रदूषित प्रवाह) गंगा की परिकल्पना से उत्साहित, एक समग्र और एकीकृत रास्ता अपनाने की पहल की गयी। इस पहल को जन गंगा (जन भागीदारी और लोगों और नदी का संपर्क), ज्ञान गंगा (अनुसंधान और ज्ञान प्रबंधन) और अर्थ गंगा (स्वतंत्र प्रयास का आर्थिक मॉडल) के तीन कार्यक्रमों से और आगे बढ़ाया गया था।

# नामाभि गंगे: देश की संकल्प शक्ति का निर्मल और अखिल प्रमाण



से निकलने वाले सीवेज की निगरानी, अर्थ गंगा सहित अन्य के लिए मंजूरी दी गयी है। इनमें से 225 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, शेष निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। गंगा बेसिन में 5270 एमएलडी शोधन क्षमता और 5,211 किमी सीवर नेटवर्क के निर्माण के लिए करीब 177 सीवेज बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। सीवेज प्रबंधन के लिए इनमें से कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

प्रारंभिक चरण के एक बड़े हिस्से को प्राप्त करने के साथ, नये जोश और कीमती अनुभव से लैस होकर, हम नामाभि गंगे 2 की शुरुआत कर रहे हैं, जिसे अब सहायक नदियों जैसे यमुना और उप सहायक नदियों जैसे काली, गोमती, हिंडन, दामोदर नदी तक बढ़ा दिया गया है।

कार्यक्रम की सफलता का एक प्रमुख कारण सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉड (एचएएम-पीपीपी) के तहत हाइड्रॉइड एंजिनी मॉडल है, जो अपशिष्ट जल क्षेत्र में अब तक अज्ञात दृष्टिकोण है। एचएएम मॉडल के तहत, अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों की निर्माण लागत का 40 प्रतिशत तक सरकार द्वारा ऑपरेंटों को भुगतान किया जाता है और शेष उनके प्रदर्शन मानकों का आकलन करने के बाद 15 वर्षों की अवधि में जारी किया जाता है। इसी तरह से 'एक शहर, एक ऑपरेंट' मॉडल शुरू किया गया है जो पूरे शहर में सीवेज

शोधन के लिए एक स्थान पर समाधान की परिकल्पना करता है। जबकि एचएएम ऑपरेंटों द्वारा प्रतिबद्धता, प्रदर्शन और स्थिरता सुनिश्चित करता है, 'एक शहर, एक ऑपरेंट' एकल स्वामित्व और जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

औद्योगिक प्रदूषण में कमी के लिए अत्यंत प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआइ) की पहचान की गयी है और प्रतिष्ठित तृतीय पक्ष तकनीकी संस्थानों द्वारा इनकी निगरानी की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों द्वारा अनुपालन में सुधार हुआ है। इसकी एक शानदार सफलता कानपुर में जाजमऊ चमड़े के कारखाने (देश में अपने प्रकार का सबसे बड़ा) के लिए 20 एमएलडी कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीडीपीपी) का निर्माण है। नामाभि गंगे कार्यक्रम के तहत, इस परिवर्तन में मदद के लिए पहली बार अक्टूबर 2018 में ई-फ्लो अधिसूचना के माध्यम से अपने स्वयं के जल पर नदी के अधिकार को मान्यता दी गयी थी। कार्यक्रम के तहत मिलने वाले सकारात्मक परिणामों को तेजी से देश की अन्य नदियों के लिए मॉडल नदी कायाकल्प कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है। कई स्थानों पर गंगा के पानी की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार इसकी सफलता की गवाही देता है, जबकि 2018 में नदी की मुख्य नलिका के चार प्रदूषित हिस्से थे, 2021 में कोई भी विस्तार

प्राथमिकता I (बीओडी>30 मिली) से IV (बीओडी >6-10) तक नहीं है और केवल दो खंड सबसे कम प्रदूषित स्थिरता सुनिश्चित करता है, 'एक शहर, एक ऑपरेंट' एकल स्वामित्व और जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

गंगा की पर्यावरणीय सफाई ने भारत के लोगों की आध्यात्मिक सफाई में मदद की है, और यह तब देखा गया जब 20 करोड़ से अधिक लोगों ने कुंभ के दौरान इसमें स्नान किया। गंगा में डॉल्फिन, घड़ियाल, ऊदबिलाव और अन्य जलीय प्रजातियों का अधिक संख्या में दिखाई देना हर दिन इसकी याद दिलाता है। राष्ट्रीय पशुपालन कार्यक्रम-2022 के तहत स्थानीय मछली प्रजातियों के कायाकल्प जैसे सुकूम विवरणों का भी ध्यान रखा गया है। अत्यधिक आकर्षक हिल्सा मछली को बढ़ती आबादी और उसके बाद हमारे मछुआरों की समृद्धि के लिए पहली बार अक्टूबर 2018 में ई-फ्लो अधिसूचना के माध्यम से अपने स्वयं के जल पर नदी के अधिकार को मान्यता दी गयी थी। कार्यक्रम के तहत मिलने वाले सकारात्मक परिणामों को तेजी से देश की अन्य नदियों के लिए मॉडल नदी कायाकल्प कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने 2019 में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक के दौरान अर्थ गंगा अवधारणा का भी समर्थन किया था। 'अर्थ गंगा' का केंद्रीय विचार 'गंगा नदी पर निर्भर होने' के नारे की तर्ज पर अर्थनीति के संपर्क के माध्यम से लोगों और गंगा नदी

को जोड़ रहा है। जन गंगा और अर्थ गंगा दोनों अब नामाभि गंगे को एक जन आंदोलन में बदलने के इंजन बन चुके हैं। कार्यक्रम के लिए पिछले कुछ महीने घटनाओं से भरे रहे, अर्थ गंगा के तहत छह नये वर्टिकल की पहचान की गयी है, जिनमें शून्य बजट प्राकृतिक खेती, मुद्रीकरण और कीचड़ और गंदे पानी के पुनः उपयोग, आजीविका सृजन के अवसर जैसे 'घाट में हाट', स्थानीय उत्पादों, आयुर्वेद, औषधीय पौधों को बढ़ावा देना आदि, हितधारकों, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए जन भागीदारी शामिल है, जो बेहतर विकेंद्रीकृत जल प्रबंधन के लिए स्थानीय क्षमताओं को बढ़ा कर सामुदायिक जेटी के माध्यम से नौका पर्यटन, योग को बढ़ावा देने, साहसिक पर्यटन और गंगा आरती और संस्थागत निर्माण पर निर्भर है। जलज केंद्रों की स्थापना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया है, स्थायी नदी केंद्रित आर्थिक मॉडल के निर्माण की दिशा में एक कदम है। 75 जलज केंद्रों में से 26 की शुरुआत हो चुकी है। यह नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए सुविधाएं स्थापित करके और स्थानीय लोगों का मार्गदर्शन करके आजीविका के अवसर पैदा करने की एक पहल है।

नामाभि गंगे का नया चरण इससे अधिक उपयुक्त समय पर नहीं आ सकता है, जब हम महान अटलजी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं, भारत के अमृत काल का उत्सव मना रहे हैं और जी20 में भारत को अध्यक्षता मिलने का जश्न मना रहे हों। यह अटलजी ही थे जिन्होंने कभी कहा था, 'भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं है, यहां हर पत्थर में भगवान शिव हैं और पानी की हर बूंद गंगा जल है। जब वह हमें अपने सपने को साकार करते हुए देखेंगे तो निश्चित रूप से आकाश से मुस्कुरा रहे होंगे, वसुधैव कुटुम्बकम् की सच्ची भावना के साथ 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आदर्शों पर अडिग रहते हुए, एक पर्यावरण चैम्पियन के रूप में विश्व मंच पर हमारे प्रभुत्व पर उन्हें निश्चित रूप से गर्व होगा। (लेखक : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं।)

## कांग्रेस ने ओल्ड पुरुलिया रोड में निकाली सड़क सुरक्षा रैली

### आजाद सिपाही संवाददाता

**जमशेदपुर।** शहर में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित तथा इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी की ओर से जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली का नेतृत्व कांग्रेस नेता बबलू नौशाद ने किया। अपने कार्यालय से चेपा पुल एवं वहां से होते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने अपने हाथों में रोड सेफ्टी के नारे लिखे बैनर, पोस्टर लेकर सभी को जागरूक करने का प्रयास किया और सड़क पर चलने के नियम बताये। इस दौरान अपील की गयी कि सड़क पर बाइक चलाने के वक्त पहले तो हेलमेट का उपयोग



करें और सभी नियमों का पालन करें, क्योंकि जिस प्रकार से दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहनों से लोग आये दिनों सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवा रहे हैं यह एक बहुत ही गंभीर विषय है और हम सभी को इस मामले में सोचने की आवश्यकता है।

नाबालिग बच्चों को माता-पिता गाड़ी न दें। यह जागरूकता रैली चेपा पुल मानगों से होते हुए ओल्ड पुरुलिया रोड से गुजरी और दोषिहया वाहनों को रोककर उनसे हेलमेट पहनने की अपील की गयी। रैली में लगभग 100 से अधिक लोग शामिल हुए।

## मानदेय नहीं मिलने से पूर्व वार्ड सदस्य सब्जी बेचने को मजबूर

### आजाद सिपाही संवाददाता

**चाकुलिया।** चाकुलिया पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधि को आर्थिक समस्या से जूझना पड़ रहा है। सरकार जनप्रतिनिधियों को उचित मानदेय नहीं देने के कारण ऐसे कई जनप्रतिनिधि है जो विभिन्न स्थानों पर फुटपाथ पर बैठ कर सब्जी या अन्य सामग्री बेचकर अपनी जीवन व्यय कर रहे हैं। ऐसा ही एक मंजर चाकुलिया बाजार के फुटपाथ पर देखने को मिला। चाकुलिया के रेलवे अंडरपास से प्रखंड मुख्यालय जाने वाली सड़क के किनारे प्लास्टिक का बोरा बिछा कर प्रखंड के कालियाम पंचायत के वार्ड सात के पूर्व वार्ड सदस्य सह वर्तमान वार्ड सदस्य के पति शक्तिपद नायेक सब्जी बेचने को मजबूर है। शक्तिपद नायेक ने कहा कि वह मैट्रिक पास है और ओडिशा के



मयूरभंज से आईटीआई किया है। उसने कहा कि विगत पांच वर्ष तक वह पंचायत के वार्ड सात का वार्ड सदस्य रहा है और अबकी बार हुए पंचायत चुनाव में उसकी पत्नी मीना नायेक वार्ड सदस्य हैं। शक्तिपद ने कहा कि वार्ड सदस्य बनकर वे तो इमानदारी पूर्व अपने वार्ड के लोगों की सेवा करते रहे और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम करते हैं, परंतु सरकार वार्ड सदस्य के साथ सौतेला

व्यवहार अपना रही है। कहा कि सरकार वार्ड सदस्य को मानदेय के रूप में सिर्फ 200 रूपए देती है। आज के समय में 200 रुपये में क्या होगा, इतने में परिवार का भरण पोषण करना संभव नहीं है। शक्तिपद नायेक ने बताया कि उसके पांच साल के कार्यकाल में सरकार से मिलने वाली मानदेय राशि भी सिर्फ एक वर्ष का ही मिला है, बाकि चार वर्ष का अब तक नहीं मिला है। उसने कहा कि 200

## जमशेदपुर की खबरें

# साकची हाइस्कूल के पूर्व विद्यार्थियों ने की बैठक, 75 साल पूरे होने पर हीरक जयंती हर्ष उल्लास के साथ मनाने का लिया निर्णय

### आजाद सिपाही संवाददाता

**जमशेदपुर।** पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित साकची हाई स्कूल (आम बागान) का पहचान शहरवासीओ शहर वासियों के लिए कोई नया नहीं है। जमशेदपुर में बंगाली समुदाय के से सैकड़ों विद्यार्थी साकची हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर राज्य और देश सहित विदेशों में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है। साकची हाई स्कूल का 75 साल पूरे होने पर पूर्व के पास आउट विद्यार्थियों ने 2023 में साल भर कई कार्यक्रमों आयोजन करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को स्कूल से अलग-अलग बैच में पास आउट सैकड़ों विद्यार्थी एकत्रित होकर स्कूल प्रांगण में एक बैठक की। बैठक में

सभी पासआउट विद्यार्थियों ने अपने अपने बातों को एक दूसरे के बीच शेयर किया। मौके पर स्कूल के पास आउट विद्यार्थियों ने 75 साल पूरे होने पर हीरक जयंती हर्ष उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया। इमरान सभी विद्यार्थियों के बीच खुशी देखने को मिला। बैठक में स्कूल के सभी पास आउट विद्यार्थियों तक खबर पहुंचाने के लिए 5 फरवरी 2023 को स्कूल परिसर में गेट टुगेदर करने का निर्णय लिया गया। ताकि शहर के अलावा दूर दूर से सभी पास आउट विद्यार्थी उपस्थित हो सकें। मौके पर पूर्व छात्र देवासी सिन्हा ने बताया साकची हाई स्कूल (आम बागान) का नाम की एक अलग पहचान है। आज भी



सभी 5 साउथ विद्यार्थियों में एकता बरकरार है। एक आवाज पर सभी एकजुट होकर समर्थन देते हैं। उन्होंने बताया सभी के सहयोग से साकची हाई स्कूल का नाम को यादगार बनाने का प्रयास किया जाएगा। शुक्रवार को सभी के सहयोग से सैकड़ों विद्यार्थियों ने स्कूल प्रांगण में बैठक कर 75 साल होने की खुशी में हीरक

जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया है। 1976 के पूर्व छात्र देवासी सिन्हा ने बताया बैठक में सभी के सहमति से 5 फरवरी को गेट टुगेदर का आयोजन स्कूल परिसर में करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा कई वर्षों से स्कूल के जर्ज भवन को मरम्मत करने के लिए प्रयास किया जाएगा। साथ

ही स्कूल में पढ़ने वाले कमजोर विद्यार्थियों को सहयोग करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया हीरक जयंती के अवसर पर स्कूल प्रांगण में रक्तदान शिविर, बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिता सहित पूर्व छात्रों के लिए कई कार्यक्रम का आयोजन की जाएगी। उन्होंने बताया नवंबर महीने के 17, 18, 19 को तीन दिवसीय विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्कूल परिसर में किया जाएगा। बैठक में देवाशीष नाहा, पुरोबी घोष, सिलेखा आयकर, अमृता मौलिक, विशदीप मंडल, प्रबीर घोष, सतोदेव सिकंदर, मानोश श्री, सौमित्रो सरकार शामिल रहे।

## दो साल इंतजार के बाद फूलों की बगिया से गुलजार हुआ गोपाल मैदान 32वें एनुअल फ्लावर शो का उद्घाटन

### आजाद सिपाही संवाददाता

**जमशेदपुर।** दो साल के अंतराल के बाद एक बार फिर शुक्रवार को गोपाल मैदान फूलों की बगिया से गुलजार हो गया। शुक्रवार को शाम गोपाल मैदान में हॉर्टिकल्चर सोसाइटी के 32वें एनुअल फ्लावर शो का कोल्लान कमिश्नर मनोज कुमार ने विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान हॉर्टिकल्चर सोसाइटी की चेयरपर्सन रुचि नरेंद्रन और टाटा स्टील कॉरपोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसीडेंट चाणक्य चौधरी खास तौर पर मौजूद थे। कोविड काल की वजह से दो साल के अंतराल पर आयोजित इस फ्लावर शो को देखने के लिए लोगों का हजूम उमड़ पड़ा। हॉर्टिकल्चर सोसाइटी ऑफ



जमशेदपुर की चेयरपर्सन रुचि नरेंद्रन ने कहा कि आज की तनाव भरी जिंदगी में फूल सुकून देते हैं। इसके अलावा फ्लावर शो में मनोरंजन के भी कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। साथ ही प्रतियोगिता के लिए देश भर से 29

नर्सरियों के प्रतिनिधि शिरकात कर रहे हैं। टाटा स्टील के कॉरपोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसीडेंट चाणक्य चौधरी ने कहा कि अक्टूबर से लेकर मार्च तक टाटा स्टील की कोशिश रहती है कि कुछ न कुछ गतिविधियों की जाए,

ताकि जाड़े की छुट्टियों में बच्चे और बड़े मनोरंजन कर सकें। हॉर्टिकल्चर सोसाइटी की अध्यक्ष सुमिता गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन को सोसाइटी की 10-12 कमेटियां मिल कर आयोजित करती हैं।



## अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने कमेटी का विस्तार किया

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के बैनर तले बंशीधर नगर अनुमंडलीय इकाई के द्वारा प्रखंड के पिपरी, कमत तथा चितरी गांव में कमेटी का विस्तार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागदेव सिंह तथा मंच का संचालन आशुतोष सिंह ने किया। कार्यक्रम के पूर्व महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर जय श्री राम, जय महाराणा, जय भवानी के उद्घोष के साथ कार्यक्रम की शुरुवात की गयी। इस मौके पर प्रोफेसर बीडी सिंह ने कहा कि जिले में कमेटी के विस्तार कर समाज को संगठित एवम उन्नयन के लिए यह कार्यक्रम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पूर्वजों के आदर्श चिन्ह पर चलने एवम समाज में फैल रहे दहेज प्रथा जैसे फैल रही कुरीतियों को दूर करने की जरूरत है. समाज के आर्थिक, शैक्षिक और विकास की दृष्टि से पिछड़े परिवारों को सशक्त बनाना महासभा का पहला लक्ष्य है। वहीं कमेटी विस्तार किया गया. जिसमें अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, सचिव प्रियंजन सिंह, उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, प्रवक्ता राजेश कुमार सिंह, सूचना मंत्री राजेंद्र सिंह, संरक्षक राजबली सिंह, दामोदर सिंह, कामाख्या नारायण सिंह को बनाया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज राजेंद्र प्रताप देव बंशीधर नगर अनुमंडलीय इकाई के अध्यक्ष इंदल सिंह, सचिव बंगाली सिंह, कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, संरक्षक चित्तम सिंह, ललन देव, देवेन्द्र सिंह, दानुल प्रताप देव, श्याम बरन सिंह, विनोद कुमार देव, मुखिया ललित नारायण सिंह, लालबहादुर सिंह, बलवंत प्रताप देव, रूपेश कुमार सिंह, बटू सिंह, सोनू सिंह, चंचल प्रताप देव सहित कयी लोग उपस्थित थे।

## समाजसेवी देवेन्द्र नाथ पांडे को मातृ शोक



मझिआंव (आजाद सिपाही)। भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडेय की चाची एवं युवा समाजसेवी देवेन्द्र नाथ पांडेय उर्फ बच्चा पांडेय की मां 86वर्षीय रेशम देवी की शुक्रवार को तड़के चार बजे लकवा बीमारी से मझिआंव स्थित उनके ऊंचरी गांव स्थित निवास स्थान पर मौत हो गई। स्थानीय कोयल नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े पुत्र उमाकांत पांडेय द्वारा मुखामिन दी गई। परिजनों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से वे लकवा बीमारी से पीड़ित थीं। उनकी मौत की खबर मिलते ही गढ़वा से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजकुमार पांडेय, भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय एवं मझिआंव नगर पंचायत के काफी संख्या में गणमान्य लोग मझिआंव के ऊंचरी स्थित निवास स्थान पर अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया।

## बीएनटी संत मैरी और एमपीसीए क्वार्टर फाइनल में

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गोविंद हाइ स्कूल के मैदान में खेले जा रहे 21 में गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आठवें दिन खेले गए दो अलग-अलग मैच में एनटीसीए ने ज्ञान निकेतन कान्वेंट स्कूल को छह विकेट से जबकि दूसरे मैच में बीएनटी संत मैरी की टीम ने शांति निकेतन स्कूल तिलदाग को चार विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले मैच में ज्ञान निकेतन कान्वेंट स्कूल पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में प्रियांशु के नाबंद 40 रन की बदलेत छह विकेट प्राप्त किया। जबकी पारी खेलने उतरी एनटीसीए की टीम नतीशा के नवाब 34 और अखिलेश के 24 रन के सहयोग से चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। ज्ञान निकेतन की ओर से प्रियांशु ने एक विकेट प्राप्त किया। दूसरे मैच में शांतिनिकेतन स्कूल तिलदाग की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्याम पासवान के 26 और अंकित के 18 रन के सहयोग से सात विकेट खोकर निर्धारित ओवर में 129 रन बनाये बीएनटी संत मैरी की ओर से अनुराग ने दो विकेट प्राप्त किया जबकी पारी खेलने उतरी बीएनटी संत मैरी की टीम में 11वें ओवर में अभिनव और अजीत के 35 रन के सहयोग से ही छह विकेट खोकर जीत हासिल कर लिया शांतिनिकेतन की ओर से श्याम कुमार पासवान ने चार विकेट प्राप्त किया। मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार के प्रतियोगिता के उपाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे और धनंजय कुमार सिंह ने मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार अभिनव यादव और नतीशा कुमार मेहता को प्रदान किया। अंपायर की भूमिका मनीष पाठक असलम खान, मनीष उपाध्याय और सौरभ शुभम विशाल कुमार ने निभाया। मैच के दौरान कमेंटेंटर की भूमिका मनोज तिवारी, प्रिंस खान, प्रभात कुमार ने निभाया। इस मौके पर सचिव आनंद सिन्हा, कोषाध्यक्ष कमलेश दुबे, सचिता धर दुबे, प्रवीण मिश्रा, सुमित मिश्रा सह सचिव प्रिंस सोनी, आशुतोष रंजन, विकास कुमार, दीपक, प्रभात तिवारी, आलोक गुप्ता, प्रिंस खान, सूर्या गुप्ता मनीष,अमित उपाध्याय, साहित खान, रोहन तिवारी, सिंकेदर प्रजापति, सूर्य प्रकाश, हेमंत राज अश्विनी चौबे मनीष पाठक प्रभात तिवारी दुबे उपस्थित थे।

## आदमखोर तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने कसी कमर, सैकड़ों वनकर्मी जंगल की ओर रवाना



रंका (आजाद सिपाही)। रंका पूर्वी एवं क्षेत्र पदाधिकारी गोपाल चंद्रा नेतृत्व में वन विभाग ने आदमखोर तेंदुए को जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए कमर कस ली है। इसके लिए शुक्रवार को पूर्वी वन क्षेत्र कार्यालय के प्रांगण में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के संबंध में वन पदाधिकारी गोपाल चंद्रा ने बताया कि आदमखोर तेंदुए को सर्व प्रथम पकड़ने का प्रयास किया जायेगा। यदि सभी प्रयास विफल रही तो अंत में गोली मारने का आदेश मिलते के साथ उसे शूटर्स से मारवा दिया जायेगा। इस अवसर पर पवास कैमरा के साथ एक्सपर्ट को तैनात किया गया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी वनकर्मियों को हाथ में लाठी, डंडा, टांगी वगैरह लेकर वन का भ्रमण के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस अवसर पर रंका पूर्वी एवं क्षेत्र पदाधिकारी गोपाल चंद्रा ने जंगली क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से साम होने से पहले अपने अपने घरों में रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि तेंदुआ को भोजन शिकार करने का समय सुबह और शाम होता है। इस समय लोग अपने घरों में सुरक्षित रहें।

## सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया

### भवनाथपुर (आजाद सिपाही)।

गढ़वा एमवीआई लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में भवनाथपुर खरौंधी मोड़ एवं कपूर्नी चौक के समीप सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। उक्त वाहन चेकिंग अभियान में डिफॉल्ट पाए जाने वाले एक दर्जन वाहनों से 70 हजार रुपये का चालान काटा गया। इस संबंध में एमवीआई लाल बिहारी यादव ने बताया की चेकिंग अभियान में एक ऑटो एक ट्रैक्टर एवं 11 बाइक का चालान काटा गया। पकड़े गए सभी वाहनों से कुल 70 हजार रु का चालान वसूली गयी। एमवीआई लाल बिहारी यादव ने वाहन चालकों से अनुरोध किया कि ट्रैफिक जूल के अनुरूप वाहन के कागजात ड्राइविंग लाइसेंस एवं दोपहिया वाहन वाले हेल्मेट के साथ ही गाली गाड़ी चलाएं इस मौके पर एमवीआई गढ़वा की टिंबक साथ भवनाथपुर थाना के एसआई मुनेश्वर राम विरोधी दलबल के साथ मौजूद थे।

## स्वास्थ्य कर्मियों ने निक्षय मित्र बनकर एक सौ टीबी मरीजों को लिया गोद

### मेराल सीएचसी टीबी मुक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में सबसे आगे : सिविल सर्जन

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों ने निक्षय मित्र बनकर 1सौ टीबी रोगियों को उनके पोषण संबंधी सहायता और उपचार के लिए गोद लिया है। आयोजित कार्यक्रम में गढ़वा के सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार, सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार आदि शामिल हुए। मेराल तथा डंडई प्रखंड के विभिन्न गांव से आए मरीजों को सिविल सर्जन द्वारा बीमारी से बचाव तथा सरकार द्वारा इसके लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। सिविल सर्जन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत से टीबी उन्मूलन

# चंद्रिका हॉस्पिटल के संचालक सहित पांच गिरफ्तार, अस्पताल हुआ सील

## मरीजों के साथ किसी भी तरह की अनियमितता बरते जाने वाले अस्पतालों को बख्शा नहीं जायेगा : एसडीओ

### आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। कचहरी रोड स्थित चंद्रिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को उपयुक्त के निर्देश पर सील कर दिया गया। उक्त अस्पताल में मरीजों ने नर्स द्वारा सिजेरियन किये जाने का आरोप लगाया था। साथ ही उक्त निजी अस्पताल के संचालक अयूब अंसारी, अस्पताल कर्मी मुन्ना सिद्दीकी, रिंकी कुमारी, अरुका कुमारी एवं पार्वती कुमारी को हिरासत में लेकर गढ़वा थाना ले जाया गया है। जानकारी देते हुए एसडीओ राज्य महेश्वरम ने बताया कि डंडई थाना क्षेत्र के रांरो गांव की एक महिला का चंद्रिका हॉस्पिटल में एक माह पहले बच्चेदानी का आपरेशन हुआ था। महिला को आपरेशन में किसी तरह की त्रुटि के कारण मवाद आने लगा तो उसे फिर से चंद्रिका



हॉस्पिटल में भर्ती कर इलाज किया जाने लगा। लेकिन अस्पताल संचालक द्वारा उसके इलाज के नाम पर महिला मरीज के स्वजनों से पैसे की मांग की जा रही थी। जबकि मरीज के स्वजन इस बात को लेकर पैसे देने से इंकार कर रहे थे कि आपरेशन में गड़बड़ी के कारण ही परेशानी हुई है फिर पैसे

## संतोषजनक

### जबाब नहीं दिया

बताया गया कि बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। जबकि छापेमारी दल ने चंद्रिका हॉस्पिटल में गहन जांच की। इस दौरान वहां कुछ देर पहले ही सिजेरियन कर प्रसव कराये जाने का एक मामला सामने आ गया। लेकिन संचालक द्वारा विशेष चिकित्सकों सर्जन, एनेस्थेटिस्ट आदि के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जबकि उक्त अस्पताल में मौके पर कोई चिकित्सक भी नहीं था। शिकायत के आलोक में हुई छापेमारी में अस्पताल में अनियमितता पाई गई है। तब अस्पताल को सील कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

# रुखसाना को पाने के लिये रितेश बना अरमान

### आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्यार में पागल प्रेमी रितेश ने धर्म बदल कर अपनी प्रेमिका रुखसाना का अरमान पूरा किया। रितेश ने प्रेमिका रुखसाना के बीच बाधा बने धर्म की दीवार को तोड़ते हुये इस्लाम कबूल कर रुखसाना खातून से निकाह कर लिया है। प्रेमी रितेश अब अरमान बन गया है। गढ़वा थाना क्षेत्र के दुबे मरहटिया गांव का रहने वाला है। जबकि प्रेमिका नगर ऊंटारी थाने के बरडीहा गांव की रहने वाली है। जानकारी के मुताबिक गढ़वा थाना क्षेत्र के दुबे मरहटिया निवासी स्व बुधन चौधरी का पुत्र रितेश चौधरी बरडीहा स्थित अपना नया बुधन चौधरी के घर रहता था। इसी दौरान उसे मजमुदिन अंसारी की बेटे रुखसाना से आंखें चार हो गयी। दोनों के प्यार में धर्म बाधा बन



रहा था। जिसके बाद दोनों तीन साल पूर्व गांव छोड़कर भाग निकले। तीन दिन पूर्व दोनों बरडीहा आये। इस दौरान रितेश ने बताया कि वह अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है और सनातन धर्म त्याग कर इस्लाम कबूल कर लिया है। प्रमाण के लिये उसने गांववालों को डालतनगंज स्थित नोटरी पब्लिक

उधर रुखसाना के पिता मजमुदिन अंसारी ने बताया कि दो-तीन दिन पूर्व दोनों घर आये थे। लेकिन रितेश उर्फ अरमान किस धर्म-जाति से है हमें नहीं मालूम है। धर्म परिवर्तन की बात भी हम नहीं जानते हैं। मेरी बेटे चार साल पहले ही घर छोड़ कर चली गयी थी। दोनों के बारे में हमें कुछ मालूम नहीं है।

# गुरु गोविंद सिंह की जयंती मनायी

### बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)।

संस्कृती विद्या मंदिर में गुरुवार को गुरु गोविंद सिंह की जयंती मनाई गई। जयंती समारोह का शुभारंभ शिक्षक एवं अधिभावक मनोज कुमार एवं प्रभारी प्रधानाचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव ने भारत माता ॐ, मां शारदे एवं गुरु गोविंद सिंह के चित्र के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्पार्चन कर किया। कक्षा नवम की बहन खुशी कुमारी ने गुरु गोविंद सिंह के जीवन चरित्र को प्रभावी ढंग से रखी। आचार्य नंदलाल पांडेय ने कहा कि सिख



धर्म के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के पदचिहंन पर हम सब चलकर देश के प्रति समर्पित रहें। प्रभारी प्रधानाचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि गुरुगोविंद सिंह के उक्ति को कहते हुये चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊं गौदड़ानु मैं शेर बनावां सवा लाख से एक लड़ावां

## कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

### पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमण्डल, हजारीबाग

अति-अल्पकालीन ई-प्रोक्चरमेंट सूचना					
निविदा संदर्भ संख्या –DWSH/HZB/MECH/SUPPLY-3/2022-23					
क्रम संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (₹0 में)	अग्रधन राशि (₹0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
	Supplying, Installation and Commissioning of pump set and its allied works at Government building clear water pumping plant (Reformatory) under D.W& S. Mechanical Division, Hazaribag .	1639434.00	32800.00	5000.00	90 दिन
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :-	दिनांक :- 02.01.2023 को 4:00 बजे तक।			
3	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :-	दिनांक :- 09.01.2023 को 5:00 बजे तक।			
4	अग्रधन की राशि / परिमाण विपत्र की राशि (हार्ड प्रॉटि में) प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक :- 10.01.2023 को 4:00 बजे अपराह्न तक कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमण्डल, हजारीबाग।			
5	निविदा खोलने की तिथि :-	दिनांक :- 11.01.2023 को 2:00 बजे तक।			
6	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमण्डल, हजारीबाग। (शील रोड, सी० आर० पी० एफ० कैम्प के समीप हजारीबाग।) <b>(E-mail ID - dwsdhazmech2010@gmail.com)</b> <b>Contact No :- 06546-265920</b>			
7	ई-प्रोक्चरमेंट कार्यालय काई-मेल एवं फोन संख्या :-	हेतु http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है। ह/ - कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमण्डल, हजारीबाग। <b>PR.NO.286326 Drinking Water and Sanitation(22-23):D</b>			

नियम एवं शर्तें आदि विस्तृत जानकारी हेतु http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

## आरक्षण सरकार

### कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

#### ई-अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

#### ई- अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/HZB/30/2022-23

सूच सं	आईडी-टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (₹0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (₹0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	RDD/SD/HZB/30/01/2022-23	सदर	प्रखण्ड सदर में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह
2	RDD/SD/HZB/30/02/2022-23	इंयाक	प्रखण्ड इंयाक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह
3	RDD/SD/HZB/30/03/2022-23	कटकमसांझी	प्रखण्ड कटकमसांझी में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह
4	RDD/SD/HZB/30/04/2022-23	दुएचू	प्रखण्ड दुएचू में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह
5	RDD/SD/HZB/30/05/2022-23	चौपारण	प्रखण्ड चौपारण में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह
6	RDD/SD/HZB/30/06/2022-23	पदमा	प्रखण्ड पदमा में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी-सह-अवरलािकारी / पयवीतीय / तृतीय / चतुर्थ वनीय कर्मचारी अवास एवं प्रखण्ड परिसर का विकास तथा विविध निर्माण कार्य।	61200000.00	1224000.00	10000.00	24 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- 05.01.2023

3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय -दिनांक 17.01.2023 अपराह्न 5:00 बजे तक

4. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग / मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, एफओ पी० भवन, धुर्वा, रांची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि एवं Affidavit जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 18.01.2023 अपराह्न 05:00 बजे तक

5. निविदा खोलने का स्थान - मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, एफओ पी० भवन, धुर्वा, रांची

6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय -19.01.2023 अपराह्न 2:00 बजे

7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता - कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

8. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० - 8986648868 (संविहित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)

9. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट बैंक से बैंक से चेक जी को वसूलकर अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग के पदनाम से देय हो, देना होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पृष्ठ पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता  
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

**PR 286297 Rural Development(22-23):D**









### सीसीएल और सीआइएसएफ की संयुक्त छापामारी में सवा चार टन अवैध कोयला जळ



**फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)।** सीसीएल डोरी के जीएम मनोज कुमार अग्रवाल के निर्देश पर एसडीओसीएम (कल्याणी) परियोजना के केपीएस और आसपास के क्षेत्रों में सीसीएल सुरक्षा विभाग और सीआइएसएफ की ओर से संयुक्त छापामारी की गई। इस दौरान विभिन्न स्थानों में झाड़ियों में छिपाकर रखे गए लगभग सवा चार टन अवैध कोयला जळ किया गया। जळ अवैध कोयला को कल्याणी के चलना कौटा में वजन करवाकर एसडीओसीएम के एमपी साइडिंग कल्याणी में डंप करा दिया गया। सुरक्षा प्रभारी उमा शंकर महतो ने कहा कि कोयला चोरी रोकने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि डोरी क्षेत्र से कोयला चोरी पर पूर्ण रूप से विराम लगे। हालांकि छापामारी में कोई भी वाहन या चोर नहीं पकड़ा गया। छापामारी में सीआइएसएफ बी कंपनी के कंपनी कर्मांडर, सीआइएसएफ क्यूआरटी, सीआइडब्ल्यू राजीव रंजन कुमार, सीसीएल डोरी के सुरक्षा प्रभारी उमा शंकर महतो के अलावा उमेश्वर प्रसाद, अनाम वारिस, मानिक दिगार, उदय कुमार और भोला मिश्रा आदि शामिल थे।

### कमलडीह में किसानों के बारी से आलू और गोभी की चोरी



**चंद्रपुरा (आजाद सिपाही)।** पपलो पंचायत स्थित कमलडीह गांव से गुरुवार की रात चोरों ने दो किसानों के बारी से लगभग चार क्विंटल आलू और 50 किलो गोभी की चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पपलो पंचायत मुखिया कार्तिक महतो घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को पूरी जानकारी ली। इसके बाद चंद्रपुरा थाना व चंद्रपुर सीओ को चोरी की घटनाओं की जानकारी दी गई। मुखिया ने कहा कि टेकोकंद महतो की बारी से दो क्विंटल आलू व भूषण महतो के बारी से दो क्विंटल आलू और 50 किलो गोभी की चोरी हुई है। वहीं, अर्जुन महतो के दुल्लू पंप का फीता भी चोरी हो गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को काफी नुकसान हुआ है। सरकार इन लोगों को नुकसान हुए फसल का मुआवजा दे, ताकि किसान अपना जीवकापार्जन अच्छे से चला सके। वहीं किसानों ने कहा कि रात के अंधेरे में अनात चोरों ने आलू एवं गोभी की चोरी करने के साथ ही काफी मात्रा में पहल भी बर्बाद कर दिया है। जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। इस अवसर पर बासू महतो, बोधराम महतो, युगल किशोर महतो, झबू महतो, उमेश महतो, सोहदरिया देवी, संजय महतो, अशोक महतो, चंद्रिका महतो, सावित्री देवी और आदि लोग उपस्थित थे।

### हरियाणा को 49-47 अंकों से पराजित कर बिहार की टीम ने जमाया ट्रॉफी पर कब्जा



**बोकारो (आजाद सिपाही)।** जिला कबड्डी संघ एवं कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 32वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालक/बालिका कबड्डी चैंपियनशिप का शुक्रवार को समापन हो गया। सेक्टर चार स्थित एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में खेले गए बालक वर्ग के फाइनल मैच में बिहार की टीम ने हरियाणा को 49-47 अंकों से पराजित कर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। वहीं, महाराष्ट्र एवं उत्तराखंड की टीम संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। इससे पूर्व खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में हरियाणा की टीम ने उत्तराखंड की टीम को 55-12 एवं दूसरे सेमीफाइनल मैच में बिहार की टीम ने महाराष्ट्र को 43-36 अंकों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। बालिका वर्ग के खेले गए फाइनल मैच में हरियाणा की टीम तमिलनाडु को टीम को 43-27 अंकों से पराजित कर चैंपियन बनी। जबकि दिल्ली व उत्तर प्रदेश की टीम को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसके पूर्व खेले गए पहले सेमीफाइनल में हरियाणा की टीम ने उत्तर प्रदेश की टीम को 43-38 एवं दूसरे मैच में तमिलनाडु की टीम ने दिल्ली की टीम को 31-17 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच समाप्त के बाद मुख्य अतिथि एडिजे जैप सांग्स रांची प्रशांत सिंह ने विजेता, उपविजेता टीम व खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर चार के अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, कर्मांडेंट जैप 4 बोकारो अश्विनी कुमार सिन्हा, प्रो कबड्डी के स्टार खिलाड़ी सह भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान अर्जुन अर्वाडी, दीपक निवास हुड्डा, बॉक्सिंग वर्ल्ड एवं एशियन गोल्ड मेडलिस्ट भीम अर्वाडी स्वीटी बूरा, द्रोणाचार्य अर्वाडी बुजभूषण मोहंती, भारतीय खे-खो संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भंवर सिंह पलाड़ा और वर्ल्ड कबड्डी गोल्ड मेडलिस्ट विंध्यवासिनी कुमारी सिन्हा आदि उपस्थित थे।

### रमावतार आउटसोर्सिंग का निरीक्षण करने पहुंचे सिंफर के वैज्ञानिक



**कतरास/महुदा (आजाद सिपाही)।** बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र के कनकनी कोलियरी में संचालित रमावतार आउटसोर्सिंग कंपनी का निरीक्षण करने शुक्रवार को सिंफर के वैज्ञानिक की टीम पहुंची। निरीक्षण के दौरान सिजुआ जीएम अनूप कुमार राय, मोदीडीह प्रबंधक, रमावतार प्रबंधक आदित्य सिंह, अंकित सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सिजुआ जीएम अनूप कुमार राय ने कहा कि जलती आग पर काबू पाकर राष्ट्रीय संपत्ति कोयला को बचाने के लिए सिंफर की टीम ने दौरा किया। साथ ही कोयले की सुरक्षित उत्पादन पर बल दिया जाय। जहां कंपनी के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से वैज्ञानिक अनुसंधान के दौरा कोयला को निकाल कर सुरक्षित किया जाना है, क्योंकि अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में भारत सरकार को कोयला जलकर राख हो रही है। इसी को लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान की टीम दो महीने तक निरीक्षण कर सुरक्षित कोयले को निकाला जा सके।

### सनसनी : सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मियों की पंखे से झूलता मिला शव

# संदिग्ध परिस्थिति में वृद्ध की मौत, आंगन में मिले खून के धब्बे

**घटना के बाद जांच में जुटी तैतुलमारी पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सच आएगा मौत का सच : थाना प्रभारी**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

**कतरास।** तैतुलमारी थाना क्षेत्र के खस सिजुआ दलाही बस्ती में सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मियों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान सीताराम चौहान (65) के रूप में हुई है। शुक्रवार को



मृतक सीताराम चौहान की फाइल फोटो। सुबह कमरे में पंखे से लटकता

शव बरामद हुआ। जबकि घर के आंगन में खून के धब्बे भी मिले हैं। यही नहीं, घर के अलमारी सहित अन्य सामान भी बिखरा हुआ पाया गया। मृतक अपने पीछे तीन बेटे और एक बेटे सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गया है। उधर, घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद अंत्यपरीक्षण के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया। वहीं, मृतक के बेटे मंटू

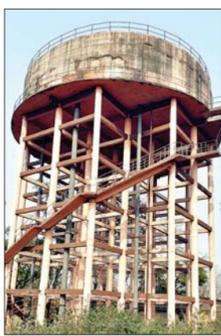
चौहान ने बताया कि मां के देहांत होने के बाद पिता घर में अकेले रहते थे। हमलोग तीनों वक्त का खाना पहुंचाया करते थे। पिताजी गुरुवार को बैंक से कुछ पैसे की निकासी भी किए थे। वहीं, तैतुलमारी थानेदार आशीष यादव ने कहा कि मामला प्रथम दृष्टया में खुदकुशी का लग रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा।

### लोयाबाद में पांच दिनों से जलापूर्ति ठप, पानी के लिए तरसी 25 हजार की आबादी

**बिजली की समस्या ठीक होने पर बहाल होगी जलापूर्ति**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

**लोयाबाद।** क्षेत्र में निगम की जलापूर्ति पिछले पांच दिनों से ठप है। पानी की एक-एक बूंद के लिए लोग तरस रहे हैं। इसका कारण बिजली की गड़बड़ी बताई जा रही है। वहीं, जलापूर्ति बंद रहने से लोयाबाद मोड़ लोयाबाद छह नंबर, सात नंबर, मदनाडिह, कनकनी, बांसजोड़ा 12 नंबर, सेंद्रा, लोयाबाद कोक प्लांट लोयाबाद पावर हाउस आदि क्षेत्रों में पानी के लिए लोग



काफ़ी परेशान हैं। करीब 25 हजार

की आबादी के बीच जल संकट गहरा गया है। लोग खरीद कर पानी पीने को विवश है। कनकनी, बांसजोड़ा लोयाबाद कोक प्लांट, पावर हाउस आदि क्षेत्रों में इस पानी के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उधर, मामले को लेकर पीएचडी अभियंता मनीष कुमार ने बताया कि विद्युत ट्रांसफार्मर के सुचारू रूप से कार्य नहीं करने से बिजली आपूर्ति बाधित है। जिस कारण पानी की आपूर्ति ठप है। बिजली विभाग द्वारा मरम्मत कार्य किया जा रहा है। जल्द ही पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

### बेनीडीह साइडिंग गोलीकांड की जांच करने दिल्ली से बाघमारा पहुंचे सीनियर कमांडेंट

**बाघमारा/महुदा (आजाद सिपाही)।** बीसीसीएल के बेनीडीह मेन साइडिंग में विगत दिनों सीआइएसएफ की विवक रिस्पॉन्स टीम और कोयला चोरी के बीच हुई मुठभेड़ की घटना की जांच के लिए शुक्रवार को सीआइएसएफ दिल्ली मुख्यालय से सिलियर कमांडेंट बाघमारा पहुंचे। कमांडेंट ने घटनास्थल की जांच की। इयूटी पर मौजूद सीआइएसएफ जवानों एवं पेट्रोलिंग वाहन के चालक से घटना के बारे में पूछताछ की। घटनास्थल की फोटोग्राफी भी की। इसके बाद सिलियर कमांडेंट बाघमारा थाना पहुंचे। घटना में बाघमारा पुलिस द्वारा जलद किए गए सीआइएसएफ की पेट्रोलिंग बेलोरो गाड़ी एवं 21 बाइक की भी जांच की। वहीं, थाना प्रभारी से भी घटना की जानकारी ली। इस मौके पर कमांडेंट विशाल शर्मा, उप कमांडेंट भूपेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर पंकज सिंह, मोहीत जौन, वीके शर्मा, संजीव कुमार एवं अन्य सीआइएसएफ के अधिकारी मौजूद थे।

### ऊर्जावान और पार्टी के प्रति समर्पित लोगों को कमेटी में दी जायेगी जगह : संतोष

**नवगठित कमेटी की सूची सत्यापन को लेकर सिंदरी नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

**झरिया/सिंदरी।** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिले के सभी नवगठित प्रखंड/नगर कमेटी की पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कमेटी की सूची सत्यापित करने की प्रारंभिक कड़ी में शुक्रवार को सिंदरी नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष अजय कुमार ने की। उक्त बैठक में धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह भी उपस्थित हुए। बैठक में जिला अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला के सभी नवगठित प्रखंड एवं नगरों के अध्यक्षों द्वारा गठित की गई कमेटी की सूची का मसौदा सही प्रखंडों/नगरों में क्रमवार किया जा रहा है। सभी प्रखंड/नगर में बनाए गए कमेटीयों का सत्यापन कर विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को समर्पित कर दिया जाएगा। संगठन में



पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी और ऊर्जावान एवं समर्पित लोगों को कमेटी में जगह दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक मजबूती के साथ ही जिला के सभी प्रखंडों/नगरों के मंडल कमेटी, पंचायत/वार्ड एवं वृथ कमेटी की मासिक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी प्रखंड/नगर अध्यक्षों से निर्देशित करते हुए कहा कि संबंधित सभी अपने-अपने प्रखंड नगरों में मासिक बैठक कर विस्तृत रिपोर्ट जिला कांग्रेस को समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि जिला के सभी विधानसभा के सभी प्रखंडों एवं नगर के पंचायत एवं वार्डों में संगठन को धारदार, सशक्त व मजबूत बनाने के

साथ आने वाले चुनाव में जिला के सभी विधानसभा के साथ ही धनबाद लोकसभा में कांग्रेस को ऐतिहासिक जीत दर्ज करने का काम करेंगे। कांग्रेस के प्रति लोगों का विश्वास जगा है और लोग पार्टी के विचारधारा से जुड़ रहे हैं। धनबाद जिला कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाया जाएगा। कहा कि अनुशासनहीन कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा। इस मौके पर कमल देव सिंह, रमेश जिंदल, सरदार योगेंद्र सिंह, नरेंद्र शर्मा, विदेशी सिंह, शिवाकांत दूबे, वकील राम, बीपी सिंह, हरिश्चंद्र दूबे, शोमनाथ दूबे और पूर्णेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

### निरसा प्रखंड कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सहकारिता का मूल उद्देश्य भूमिहीन, मजदूर, कृषक एवं कमजोर तबकों को आत्मनिर्भर बनाना: रुमा झा



**आजाद सिपाही संवाददाता**

**चिरकुंडा।** निरसा प्रखंड कार्यालय परिसर के सभागार में शुक्रवार को सूचना प्रसारण, पर्यवेक्षण, मूल्यांकन, आलेखन एवं सहकारिता क्षेत्र के विभिन्न गतिविधियों के प्रचार प्रसार और कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला सहकारिता पदाधिकारी रुमा झा, बीडीओ विकास कुमार राय,

सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मनोज सिन्हा, ज्योति सहाय, घनश्याम मंडल, विजय मंडल की ओर से निरसा एवं बलियापुर प्रखंड के पैक्सो के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला सहकारिता पदाधिकारी रुमा झा ने कहा कि सहकारिता का मूल उद्देश्य भूमिहीन, मजदूर, कृषक एवं कमजोर तबकों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि योजनाओं का प्रचार-



प्रसार सही ढंग से नहीं होने के कारण वास्तविक जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा 90 फीसदी अनुदान पर पैक्सो के माध्यम से बीज वितरण की जानकारी दी। सभी पैक्सो को सदस्यता वृद्धि करने, नियमित बैठक करने, वार्षिक आमसभा आयोजित करने, जन वितरण प्रणाली की दुकान, सीएससी का आवेदन करने,

डीसीसीबी से संबद्धता आदि की जानकारी दी गई। कार्यशाला में रंग बहादुर सिंह, मधुसेंद्र गोस्वामी, संजीव पांडे, रविंद्र नाथ धीवर, श्यामदेव चौरसिया, विकास रवानी, योगेंद्र यादव, कार्तिक महतो, गजेन्द्र सिंह, सजल रजक, भोलानाथ गोरई, परशुराम सिंह, गुरुलीधर मंडल, दिनेश सिंह, फेरुन यादव, नमिता मिश्रा और सनोज राम आदि उपस्थित थे।

### ग्रामीण प्रतिभा को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाने की जरूरत: आशा देवी



**बलियापुर के बाघमारा हाई स्कूल मैदान में प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन**

**आजाद सिपाही संवाददाता**

**बलियापुर।** प्रखंड के बाघमारा हाई स्कूल मैदान में शुक्रवार को बाघमारा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बलियापुर प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी महतो ने किया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला किंग-11 बनाम सुपर स्टार क्लब के बीच हुआ। जिसमें सुपर स्टार टीम विजयी रहा। इस अवसर पर उप

प्रमुख आशा देवी महतो ने कहा कि इस तरह का खेल प्रत्येक गांव में आयोजित किया जाना चाहिए। खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है। खिलाड़ियों ने अच्छे खेल दिखाया। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। खिलाड़ियों को जो भी सहयोग चाहिए उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर पंसस प्रतिनिधि संतोष महतो, पंसस प्रतिनिधि मंगल महतो, उप मुखिया प्रतिनिधि विवेक महतो, स्वपन कुमार महतो, उत्तम महतो और हफीजुद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे।

### तेतुलमारी पुलिस ने हाइवा लूटकर भाग रहे दो अपराधियों को दबोचा, बाइक व हाइवा जळ



**कतरास (आजाद सिपाही)।** तेतुलमारी पुलिस ने गुरुवार की रात हाइवा चोरी की सूचना मिलते ही त्वरित करवाई करते हुए गोविंदपुर से हाइवा सहित दो अपराधियों को घर दबोचा। इसकी जानकारी बाघमारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निशा मुर्मू ने दी। वे शुक्रवार की शाम सिजुआ स्थित अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तेतुलमारी थाना क्षेत्र के शक्ति चौक के समीप सर्व मंगला पब्लिक स्कूल के पास से लुटेरों ने हथियार का भय दिखाकर एमपीएल के लिए जा रही हाइवा नंबर जे एच 10 एजे 9919 के चालक एवं सहचालक को गाड़ी से उतार दिया और वाहन लेकर भागने लगे। पर चालक व खलासी ने शक्ति चौक पहुंच कर तेतुलमारी पुलिस की रात्रि गस्ती दल को घटना की सूचना दे दी। इसके बाद तेतुलमारी पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए वाहन में लगे जीपीएस को ट्रैक करते वाहन का पीछा किया। भागने के क्रम में वाहन गोविंदपुर हाइवे पर डिवाइडर से टकरा गया। तबतक पुलिस भी पहुंच गई और अपराधी गौतम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि हाइवा लेकर भाग रहा चालक कूद कर भागने में सफल रहा। फिर तेतुलमारी पुलिस ने गौतम कुमार के निशानदेही पर कतरास के कंचनपुर निवासी सुभांकर राय के घर धावा बोलकर सुभांकर सहित घटना में उपयोग किये गए बाइक और मोबाइल जळ कर लिया। इस मौके पर एसडीपीओ निशा मुर्मू, तेतुलमारी थाना प्रभारी आशीष यादव व पुअन नरेश यादव मौजूद थे।

### कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

**शुद्धि पत्र**  
इस कार्यालय के द्वारा आमंत्रित अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-27/2022-23 पी0आर0 संख्या 285913 Rural Development (22-23)D में गुप संख्या 01 के अग्रधन की राशि को संशोधित कर 18500.00 रु0 पढ़ा जाय।  
निविदा की शेष शर्तें यथावत् रहेंगी।  
कार्यपालक अभियंता  
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल  
हजारीबाग  
PR 286374 Rural Development (22-23)\_D

### कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कोडरमा

**शुद्धि पत्र**  
निविदा सूचना सं0-07/EE/RDSD/ KODERMA /2022-23 आमंत्रित किया गया था। जिसमें सिर्फ ग्रामीण कार्य विभाग के समुचित श्रेणी में संवेदक भाग ले सकते हैं। पुनः अब भवन निर्माण विभाग के समुचित श्रेणी के संवेदक भी इसमें भाग ले सकते हैं। जिसका पी0 आर0 सं0- 285236 है। निविदा की सभी शर्तें पूर्वतः रहेंगी।  
कार्यपालक अभियंता,  
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,  
कोडरमा।  
PR.NO.286299 Rural Work Department(22-23):D

### कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कोडरमा

**शुद्धि पत्र**  
निविदा सूचना सं0 -07/EE/RDSD/ KODERMA /2022-23 आमंत्रित किया गया था। जिसका पी0 आर0 सं0 -286299 है में गुप सं0 01, एवं 02 को तकनीकी कारणों से निम्न क्रमांक के तिथियों में परिवर्तन किया गया है जो इस प्रकार है :-  
क्रमांक 03 पर ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय 30.12.2022 के स्थान पर दिनांक 10.01.2023 को पढ़ा या समझा जाय।  
क्रमांक 04, निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि एवं Affidavit जमा करने कर तिथि 03.01.2023 एवं समय 10:00 बजे से 05:00 बजे तक के स्थान पर दिनांक 16.01.2023 पढ़ा एवं समझा जाय।  
क्रमांक 06, निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 06.01.2023 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर दिनांक 18.01.2023 पढ़ा एवं समझा जाय।  
निविदा की सभी शर्तें में आंशिक संशोधन किया गया।  
कार्यपालक अभियंता,  
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,  
कोडरमा  
PR 286370 Rural Work Department(22-23):D

